RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:14 ता. 07 जुलाई 2022, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

नासिक में मुस्लिम धर्मगुरु को सिर में मारी गोली, मौके पर हुई मौत

नासिक। महाराष्ट्र में नासिक से एक ऐसा मामला सामने आया है जहां एक मुस्लिम धर्मगुरु की हत्या कर दी गई। यह तब हुआ जब उनके सिर पर हमलावरों ने गोली उतार दी। पुलिस ने इस मामले में बताया है कि चार अज्ञात आरोपियों ने इस घटना को अंजाम दिया है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दरअसल, यह घटना नासिक जिले के येवला कस्बे की है। पीटीआई के मुताबिक मृतक का नाम ख्वाजा सैयद चिश्ती और वे स्थानीय लोगों के बीच सूफी बाबा के नाम से मशहूर थे। यह भी बताया गया कि 35 साल के सूफी बाबा अफगानिस्तान से ताल्लुक रखते थे। आरोपियों ने चिश्ती बाबा को येवला कस्बे के एमआईडीसी इलाके में स्थित एक खुले मैदान में गोली मारी है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि हत्या की वजहों का पता नहीं चला है। हमलावर सूफी बाबा की हत्या करने के बाद उनकी एसयूवी गाड़ी लेकर मौके से भाग गए। हालांकि हमलावरों की एक एसयूवी को जब्त कर लिया गया है लेकिन अभी हमलावर गिरफ्त से बाहर हैं। इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है और सभी एंगल से पड़ताल की जा रही है। इसके अलावा येओला पुलिस थाने में ही हत्या का मामला दर्ज किया गया है और हत्यारों को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है। एक पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि हमलावरों ने सीधे उनके माथे में गोली मार दी, जिसके बाद उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

तैयारियों का जायजा लेने सीएम योगी पहुंचे वाराणसी, आज आयेंगे पीएम नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री मोदी सात जुलाई को वाराणसी आएंगे।प्रवक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री के वाराणसी के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी में कार्यक्रम की तैयारियों के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को चुस्त दुरुस्त व्यवस्था करने की हिदायत दी।

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार सात जुलाई को अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर जायेंगे और विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे। यह जानकारी मंगलवार को एक सरकारी प्रवक्ता ने दी। प्रवक्ता ने बताया कि प्रधानमंत्री के वाराणसी के प्रस्तावित दौरे के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज वाराणसी में कार्यक्रम की तैयारियों के दृष्टिगत कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को चुस्त दुरुस्त व्यवस्था करने की हिदायत दी। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात जुलाई को एलटी कॉलेज वाराणसी में अक्षय पात्र मध्याह्न भोजन रसोई घर का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह इंटरनेशनल कोऑपरेशन सेंटर रुद्राक्ष का दौरा करेंगे जहां वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर प्रस्तावित अखिल भारतीय शिक्षा समागम कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। बृहस्पतिवार को ही प्रधानमंत्री शाम को डॉक्टर संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में करोड़ों रुपये की लागत से बनी परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने वाराणसी में मोदी के दौरे के प्रस्तावित सभी कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। योगी ने अधिकारियों से कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद प्रधानमंत्री की वाराणसी की यह पहली यात्रा है, जो पूरी तरह भव्य और ऐतिहासिक होनी चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने मार्च महीने में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के सातवें चरण में अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र वाराणसी में प्रवास किया और रोड शो तथा सभा और जनसंपर्क किया था। योगी ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में आने वाले आगंतुकों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए समुचित व्यवस्था करने को कहा। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा किपीने के पानी की समुचित व्यवस्था हो, किंतु प्लास्टिक की बोतल आदि के उपयोग को रोका जाए। योगी ने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन पूजन भी किया।

प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात जुलाई को एलटी कॉलेज वाराणसी में अक्षय पात्र मध्याह्न भोजन रसोई घर का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद वह इंटरनेशनल कोऑपरेशन सेंटर रुद्राक्ष का दौरा करेंगे जहां वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति के कार्यान्वयन पर प्रस्तावित अखिल भारतीय शिक्षा समागम कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। बृहस्पतिवार को ही प्रधानमंत्री शाम को डॉक्टर संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में करोड़ों रुपये की लागत से बनी परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे।

विपक्ष का उम्मीदवार तलाशने के लिए कांग्रेस ने कसी कमर

जल्दी बुला सकती है बैठक

नई दिल्ली। राष्ट्रपति चुनाव में उम्मीदवार के बाद अब उप राष्ट्रपति चुनाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खबर है कि विपक्षी दलों के उम्मीदवार को लेकर कांग्रेस कवायद शुरू करने जा रही है। इस संबंध में जल्दी कांग्रेस एक बैठक भी बुला सकती है। राष्ट्रपति के लिए विपक्ष ने यशवंत सिन्हा को मैदान में उतारा है। जबकि, द्रौपदी मुर्मू NDA की उम्मीदवार हैं। समाचार एजेंसी एएनआई ने सूत्रों के हवाले से लिखा कि उप राष्ट्रपति चुनाव के लिए विपक्ष का संयुक्त उम्मीदवार तलाशने के लिए कांग्रेस ने तैयारी कर ली है। कांग्रेस ने राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को विपक्षी दलों से संपर्क साधने की जिम्मेदारी सौंपी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, उम्मीदवार की चर्चा को लेकर जल्दी बैठक बुलाई जा सकती है, लेकिन कांग्रेस पहले संभावित उम्मीदवारों की सूची के लिए आम सहमति बनाना चाहती है। सूत्रों ने यह भी जानकारी दी कि जरूरी नहीं है कि उम्मीदवार पार्टी से ही हो। वह अन्य पार्टी से भी हो सकते हैं, लेकिन सबसे प्रमुख शर्त सहमति है। जीतने के लिए जरूरी आंकड़ों को लेकर एक नेता कहते हैं कि वे इस मामले में सियासी टक्कर देना चाहते हैं, क्योंकि लोकतंत्र में वॉक ओवर नहीं दिया जा सकता। चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तारीख 19 जुलाई है। जबकि, मतदान 6 अगस्त को होगा। फिलहाल, NDA ने अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। भारतीय निर्वाचन आयोग की तरफ से जारी कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान 18 जुलाई को होगा। मतगणना 21 जुलाई को होगी। फिलहाल, दोनों उम्मीदवार सियासी दलों से समर्थन जुटा रहे हैं।

देश में पायलटों की भारी कमी, एयरलाइंस के सामने आई सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। देश में पायलटों की भारी कमी है और इससे परिचालन प्रभावित हो रहा है। देश की विमान कंपनियों की क्षमता साल 2030 तक सालाना करीब 100 करोड़ यात्रियों की हो जाएगी। हालांकि इसके रास्ते में पायलटों की कमी एक बड़ी चुनौती बन रही है। अगले पांच सालों में भारत को हर साल 1000 से 1200 नए पायलट की आवश्यकता होगी, जो हर साल बाजार में प्रवेश करने वाले लगभग 600-700 पायलटों की वर्तमान दर के मुकाबले दोगुना हैं। वहीं वैश्विक एयरोस्पेस दिग्गज बोइंग का कहना है कि 2040 तक दुनिया भर में 6,12,000 नए पायलट चाहिए। दरअसल, भारतीय नागरिक उड्डयन बाजार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। दक्षिण एशिया के कुल हवाई यातायात में भारत के घरेलू यातायात का हिस्सा 69 फीसदी तक है। सूत्रों के अनुसार पायलट की कमी के चलते कुछ एयरलाइन नए मार्गों पर हवाई सेवाएं शुरू नहीं करने के लिए मजबूर हो रही हैं। हाल ही में देश की सबसे बड़ी विमान कंपनी इंडिगो को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसलिए नोटिस जारी किया था, क्योंकि एक ही दिन में उसकी

55 फीसदी से अधिक करीब 900 उड़ानें विलंब से संचालित हुईं। इसके पीछे कारण स्टाफ की कमी बताया गया।

पांच साल में लगभग 3,300 लाइसेंस जारी किए

नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पिछले पांच वर्ष में भारत में लगभग 3,300 वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस जारी किए हैं। इनमें उन कैडेट के लिए जारी लाइसेंस भी शामिल हैं, जो भारतीय उड़ान प्रशिक्षण संगठनों और विदेशी उड़ान प्रशिक्षण संगठनों दोनों से उत्तीर्ण है। इनमें भारतीय उड़ान प्रशिक्षण संगठनों से उत्तीर्ण कैडेटों को करीब 2,000 लाइसेंस जारी किए गए हैं।

पिछले तीन वर्षों के आंकड़े देखें तो भारत में जारी किए गए वाणिज्यिक पायलट लाइसेंसों की संख्या में मामूली वृद्धि हुई है। साल 2019 में भारतीय उड़ान प्रशिक्षण संगठनों से 430 वाणिज्यिक लाइसेंस जारी किए गए, जबकि 2021 में दिए गए ऐसे लाइसेंस की संख्या बढ़कर 504 हो गई। सूत्रों का कहना है कि यह आंकड़ा अभी भी बहुत कम है, क्योंकि आकासा एयर और जेट एयरवेज के शुरू होने पर पायलट की मांग और बढ़ेगी।

कुलगाम में सेना का ऑपरेशन, मुठभेड़ में दो आतंकियो ने किया सरेंडर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम स्थित हदीगाम इलाके में भारतीय सेना और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में दो आतंकवादियों ने समर्पण किया है। बताया गया कि इनपुट के आधार पर आतंकियों को घेर लिया गया और पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि कुलगाम के हादीगाम इलाके में मुठभेड़ हुई। सुरक्षा बलों के साथ जम्मू कश्मीर पुलिस भी मौके पर रही। दोनों आतंकियों के पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है। दरअसल, जानकारी के मुताबिक सेना को ऐसे इनपुट मिले थे कि कुलगाम के हदिगाम इलाके में आतंकी छिपे हुए हैं। उसी इनपुट के आधार पर सेना की एक टुकड़ी वहां पहुंची और आतंकियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सेना का आतंकियों के साथ एनकाउंटर शुरू हो गया है। मौके पर दो आतंकियों को घेर लिया गया और उन्होंने समर्पण कर दिया।

कश्मीर जोन पुलिस ने ट्वीट कर बताया कि मुठभेड़ के दौरान दो स्थानीय आतंकवादियों ने अपने माता-पिता और पुलिस की अपील पर आत्मसमर्पण कर दिया। उनके पास से आपत्तिजनक सामग्री, हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है।

नूपुर शर्मा का सिर काटने पर इनाम का ऐलान करने वाला सलमान चिश्ती गिरफ्तार, घर में ले रहा था चैन की नींद

अजमेर। नूपुर शर्मा को जान से मारने की धमकी देने वाला अजमेर दरगाह का खादिम सलमान चिश्ती आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। पुलिस ने देर रात खादिम सलमान चिश्ती को दरगाह के खादिम मोहल्ले में स्थित उसके घर से ही गिरफ्तार किया है। अजमेर दरगाह का खादिम सलमान चिश्ती 2 दिन से फरार चल रहा था जिसकी पुलिस को सरगर्मी से तलाश थी। वीडियो वायरल होने के बाद प्रदेश ही नही देश में इसकी चर्चा हो रही थी और पुलिस पर जल्द गिरफ्तारी का दबाव बढ़ गया था। पुलिस ने सलमान चिश्ती का वीडियो सामने आने के बाद केस दर्ज कर लिया था। देर रात पुलिस को सूचना मिली कि सलमान चिश्ती अभी अपने घर में मौजूद है जिसके बाद पुलिस ने दबिश देकर उसे गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल सलमान चिश्ती को दरगाह थाने में रखा गया है जिससे पूछताछ के बाद उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

वीडियो वायरल होने के बाद प्रदेश ही नही देश में इसकी चर्चा हो रही थी और पुलिस पर जल्द गिरफ्तारी का दबाव बढ़ गया था। पुलिस ने सलमान चिश्ती का वीडियो सामने आने के बाद केस दर्ज कर लिया था।

खादिमों की संस्था ने सलमान चिश्ती से किनारा

खादिम सलमान चिश्ती ने दरगाह में अपने हुजरे में बैठकर यह वीडियो बनाया था जिसमें उसने नूपुर शर्मा को गला काट कर जान से मारने की धमकी दी थी। साथ ही उसका सर कलम करने वाले को इनाम में मकान देने की भी बात वीडियो में कही थी। वीडियो जारी करने और उसके वायरल होने के बाद खादिमो की संस्था सैयद अंजुमन जादगान के पदाधिकारियों ने इस मामले से किनारा करते हुए कहा कि सलमान चिश्ती ने व्यक्तिगत रूप से अपना वीडियो जारी किया है जिसका अंजुमन सैयद जादगान संस्था का कोई लेना देना नहीं है। साथ ही संस्था के सचिव सरवर चिश्ती ने बयान जारी कर यह भी कहा कि आगे से अगर कोई इस तरह का वीडियो जारी करता है तो उसकी जिम्मेदारी खुद की होगी इसमें अंजुमन उनका साथ नहीं देगी।

मुंबई में भारी बारिश का अलर्ट, दिल्ली सहित इन राज्यों में भी बरसेंगे बादल

नई दिल्ली। भारत के कई के कई राज्यों में मानसून की बारिश हो रही है। देश के पश्चिमी तट पर मध्यम से तेज पछुआ हवाएं जारी रहेंगी जिससे तेज बारिश होगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक दिल्ली में इस पूरे सप्ताह बारिश की संभावना है। वहीं, आर्थिक राजधानी मुंबई के कई क्षेत्रों में लगातार बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया है। अगले 3 से 4 दिनों के दौरान मुंबई और उपनगरों में बाढ़ की बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा गुजरात, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तामिलनाडु हिमाचल, जम्मू, उत्तराखंड व गुजरात के कई इलाको में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली में आज न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस जबकि अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। साथ ही दिन के समय दिल्ली के आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। वहीं, उत्तराखंड और हिमाचल में अगले 24 घंटे भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

दिल्ली में आज बरसेंगे बादल

राजधानी में बुधवार को दिन भर बादल छाए रहेंगे। हल्की वर्षा हो सकती है। बृहस्पतिवार को मध्यम स्तर की बरसात होने के आसार है। मौसम विभाग ने बुधवार के लिए यलो अलर्ट जबकि बृहस्पतिवार के लिए आरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन राज्यों में भारी बारिश की संभावना

स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज मानसून के पश्चिम मध्य प्रदेश, गुजरात, कोंकण और गोवा, तटीय कर्नाटक और केरल के कुछ हिस्सों में सक्रिय रहने की उम्मीद है। इन क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश संभव है। दक्षिण छत्तीसगढ़, तेलंगाना के कुछ हिस्सों, विदर्भ, मराठवाड़ा, उत्तरी मध्य महाराष्ट्र, दक्षिण राजस्थान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह समूह में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है । ओडिशा में हल्की से मध्यम बारिश के साथ एक या दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में हल्की बारिश की संभावना-पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, आंतरिक ओडिशा, छत्तीसगढ़ के शेष हिस्सों, पूर्वी मध्य प्रदेश, दक्षिण झारखंड, तेलंगाना के शेष हिस्सों,

मौसम विभाग के मुताबिक महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा गुजरात, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तामिलनाडु हिमाचल, जम्मू, उत्तराखंड व गुजरात के कई इलाको में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

लक्षद्वीप, उत्तराखंड, जम्मू कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश संभव है। आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों, पंजाब और हरियाणा में हल्की बारिश संभव है।

पंजाब के सीएम भगवंत मान करेंगे दूसरी शादी गुरुद्वारे में होगा समारोह

चंडीगढ़ । पंजाब के सीएम भगवंत मान गुरुवार अपने जीवन का दूसरा विवाह करने जा रहे हैं। चंडीगढ़ के सेक्टर 8 के गुरुद्वारे में सादे तरीके से विवाह की रस्में संपन्न की जाएंगी और खास मेहमान ही इसमें शामिल होंगे। बता दें कि मान की पहली शादी टूट चुकी है। इस शादी से उन्हें 2 बच्चे हैं। मान की पहली पत्नी और बच्चे अमेरिका में रहते हैं। मान का अपनी पहली पत्नी से 6 साल पहले तलाक हो चुका है। जब मान ने सीएम पद की शपथ ली थी, तब उनके दोनों बच्चे अमेरिका से शपथ ग्रहण समारोह में आए थे। मान की मां की ये इच्छा थी कि वह अपना घर बसाएं। मान के लिए नई दुल्हन खुद उनकी मां और बहन ने चुनी है। सीएम भगवंत मान की शादी डॉक्टर गुरप्रीत कौर से होगी। उनके घर में ही ये शादी समारोह आयोजित होगा। इसमें केवल परिवार वाले शामिल होंगे। इस शादी में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल भी शामिल होंगे।

हिमाचल के कुल्लू में बादल फटने से मची भीषण तबाही पार्वती नदी में आया सैलाब

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में बादल फटने से भीषण तबाही मची है और पार्वती नदी में सैलाब आ गया है। इस आपदा में 4 लोगों के बहने की खबर है। कुल्लू एसपी गुरदेव शर्मा ने बताया है कि भारी बारिश से कुल्लू जिले की मणिकरण घाटी में अचानक बाढ़ आई हैष चोज गांव में दर्जनों घर और कैंपिंग स्थल क्षतिग्रस्त हो गए हैं। बता दें कि हिमाचल प्रदेश में गुरुवार को मानसून ने भारी दस्तक दी है। जिसकी वजह से देर रात से सुबह तक भारी बारिश हुई है। कुल्लू के एडीएम प्रशांस सरकैक ने बताया कि मणिकरण घाटी में बादल फट गया है और बाढ़ आने से कैंपिंग साइट बही है। इस दौरान चोज गांव की ओर जाने वाले पुल को भी नुकसान पहुंचा है। गौरतलब है कि हिमाचल में मौसम विभाग ने बुधवार को ऑरेंज अलर्ट जारी किया था। पुलिस व प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची हैं और राहत कार्य जारी है। इस भीषण आपदा के दौरान कसोल के पास की सड़क भारी मलबा दिख रहा है। वहीं मलाणा में डैम साइट नष्ट हुई है। हिमाचल में जनता को नदी-नालों के पास ना जाने के लिए कहा गया है। गुरुवार से 3 दिन के लिए यहां यलो अलर्ट जारी किया गया है। बता दें कि जब से मानसून शुरू हुआ है, तब से हिमाचल के लिए मुसीबतें खड़ी हो गई हैं। एक हफ्ते में हिमाचल में 40 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। इस दौरान रोड एक्सीडेंट भी हुए हैं। अब तक 1 करोड़ 32 लाख रूपए से ज्यादा की संपत्ति इस मानसून की भेंट चढ़ चुकी है। इस बात की जानकारी राजस्व विभाग से हुई है। जिन 4 लोगों के इस आपदा में लापता होने की जानकारी मिली है, उनके नाम रोहित (मंडी, सुंदरनगर), कपिल (पुष्कर, राजस्थान), रोहित चौधरी (धर्मशाला) और अर्जुन (बंजार, कुल्लू) है। इस भीषण तबाही में 6 ढाबों, तीन कैंपिंग साइड, एक गौशाला और 4 गायों के बहने की खबर मिली है।

छत्तीसगढ़ और उप्र पुलिस के बीच खींचतान पर मायावती ने जताई चिंता, कहा- भड़काऊ भाषण, फेक न्यूज गंभीर मुद्दे

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बयान को ''गलत संदर्भ'' में दिखाते हुए एक समाचार प्रसारित करने के मामले में टेलीविजन समाचार प्रस्तोता की गिरफ्तारी को लेकर छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश पुलिस के बीच हुई खींचतान पर चिंता जाहिर की है। मायावती ने बुधवार को सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि फर्जी खबर, नफरत फैलाने वाले भाषण, भड़काऊ भाषण आदि को लेकर देश भर में पुलिस कार्रवाई चल रही है और इसी क्रम में उत्तर प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ पुलिस के बीच एक टीवी पत्रकार की गिरफ्तारी को लेकर हुआ टकराव मीडिया की सुर्खियों में है और यह चिंता की बात है। उन्होंने दूसरे ट्वीट में कहा कि इस प्रकार के घटनाक्रमों से कानून का राज नष्ट होता है और आमजन प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि सभी सरकारों को तटस्थ व गंभीर होकर कार्य करना चाहिए तभी लोगों को तनाव व ऐसे वातावरण से मुक्ति मिल पाएगी।गौरतलब है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की एक वीडियो क्लिप को गलत तरीके से प्रसारित करने के आरोप में छत्तीसगढ़ की पुलिस टीम एक समाचार चैनल के एंकर रोहित रंजन को गिरफ्तार करने के लिए मंगलवार को गाजियाबाद पहुंची थी। इसी दौरान वहां नोएडा पुलिस भी पहुंच गई और उन्हें अपने यहां दर्ज एक मामले में गिरफ्तार कर ले गई। उसके बाद रात में रंजन को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

असम सरकार का बड़ा कदम, इन मुस्लिम समुदायों को दिया 'स्वदेशी' का दर्जा

नई दिल्ली । असम की हिमंत बिस्वा सरमा सरकार ने एक बड़ा निर्णय लेते हुए राज्य के पांच असमिया भाषी मुस्लिम समुदायों को 'स्वदेशी' का दर्जा देने का फैसला किया है। इस कदम के बाद इन समुदायों की पहचान बंगाली भाषी मुसलमानों से अलग होगी। असम की कैबिनेट ने जिन पांच समुदायों को स्वदेशी का दर्जा देने का फैसला किया है उनमें वे गोरिया, मोरिया, देसी, जुला और सैयद शामिल हैं। दरअसल, इन पांच मुस्लिम समुदायों के लोगों को स्वदेशी असमिया मुसलमानों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब हाल ही में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने घोषणा की थी कि राज्य सरकार मुस्लिम समुदायों सहित राज्य में स्वदेशी अल्पसंख्यकों के अलग वर्गीकरण के लिए कदम उठाएगी। असम कैबिनेट के इस निर्णय से राज्य के लगभग 40 लाख असमिया भाषी मुसलमानों को मान्यता मिल जाएगी।×इुह्वह्यश्च; कैबिनेट के इस निर्णय के बारे में बताते हुए कैबिनेट मंत्री केशब महंत ने कहा कि कैबिनेट ने इन पांच मुस्लिम समूहों के लिए एक नए नामकरण को मंजूरी दी है। वे अब से स्वदेशी असमिया मुसलमानों के रूप में जाने जाएंगे। उन्होंने इस कदम से स्वास्थ्य, सांस्कृतिक पहचान, शिक्षा, वितीय समावेशन, कौशल विकास और महिला सशक्तिकरण में उनका विकास सुनिश्चित होगा। साथ ही अन्य सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंच सकेगा। मालूम हो कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पहले ही कहा था कि असम राज्य की आबादी में 35 फीसदी मुसलमान हैं और उन्हें अब इस पूर्वोत्तर राज्य में अल्पसंख्यक नहीं माना जा सकता। हाल ही में उन्होंने 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के पलायन का जिक्र करते हुए कहा कि अन्य समुदायों के डर को दूर करना राज्य में मुसलमानों का कर्तव्य है। बता दें कि असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में घुसपैठ एक बड़ा मुद्दा रहा है। इसके खिलाफ वहां पर कई बड़े आंदोलन भी हो चुके हैं। इन घुसपैठियों का सबसे ज्यादा असर असम में पड़ा है। बताया जाता है कि वहां पर इन घुसपैठियों की तादाद बढ़कर कुल आबादी का करीब 25-30 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। हालांकि इन घुसपैठियों का कहना है कि वे भारत के ही हैं।

यूपी के राज्य कर्मचारियों में हाहाकार योगी सरकार ऐसे लोगों को करने जा रही जबरन रिटायर

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों में हाहाकार मचा हुआ है। यूपी की योगी सरकार सरकारी विभागों में कार्यरत 50 साल से अधिक उम्र वालों को जबरन रिटायर करने जा रही है। ऐसे कर्मचारी जो भ्रष्टाचार, गंभीर बीमारी, काम न करने वाले और जांच में फंसे हैं उनके अनिवार्य रिटायरमेंट पर 31 जुलाई तक फैसला करना अनिवार्य कर दिया गया है। इसकी जानकारी 15 अगस्त तक कार्मिक विभाग को देनी होगी। आपको बता दें कि यूपी में कर्मचारी 60 साल की उम्र पूरी होने पर रिटायर किए जाते हैं। पहले कुछ विभागों में 58 साल भी था। मंगलवार को मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने विभागाध्यक्षों को एक आदेश जारी किया जिसके बाद राज्य कर्मचारी में हाहाकार मचा गया है। दरअसल, इस आदेश में कहा गया है कि स्क्रीनिंग कमेटी 31 मार्च 2022 को 50 साल की आयु पूरी करने वालों के नामों पर विचार करेगी। यह आयु पूरी करने वाले किसी सरकारी सेवक के मामले में स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्ताव रखकर यदि उसे सेवा में बनाए रखने का फैसला एक बार कर लिया जाता है, तो बार-बार स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष उसके नाम को पुन- रखने की जरूरत नहीं है। ऐसे कर्मचारी को सेवानिवृत्त की अवधि तक सेवा में बनाए रखा जाएगा। यूपी में डीजीपी मुख्यालय ने 11 जनवरी व दो फरवरी 2022 को भी इस संबंध में आदेश जारी किया था। इस संबंध में कार्रवाई डीजी/एडीजी सतर्कता, एसआईटी, भ्रष्टाचार निवारण संगठन, पीएसएल एवं सहकारिता, सभी जोनल एडीजी, चारों पुलिस आयुक्त, आईजी-डीआईजी जेल एवं अपर पुलिस अधीक्षक केंद्रीय वस्त्र भंडार कानपुर व सीआर सीतापुर के स्तर से होनी है। यूपी ही नहीं दिल्ली सरकार में निष्क्रिय सरकारी कर्मचारी समय से पहले जबरन सेवानिवृत्त किए जाएंगे। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे अधिकारियों पर कार्रवाई के बाद उपराज्यपाल ने अब यह निर्देश दिया है। दिल्ली सरकार के ऐसे कर्मचारियों और अधिकारियों के कामकाज की समय-समय पर समीक्षा रिपोर्ट देने के लिए एक पांच सदस्यीय समिति का गठन भी किया गया है।

हिंदुत्व, मुंबई धमाकों जैसे मुद्दे पर निर्णय लेने से पीछे हटती रही एमवीए सरकार, इसलिए हमने अलग पकड़ी राह : शिंदे

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना और महाविकास अघाडी सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। एकनाथ शिंदे ने कहा 50 विधायकों का सत्तारूढ़ गठबंधन छोड़ने के लिए किसी भी शख्स के पास 'बड़ा कारण' होना चाहिए। पिछली एमवीए सरकार, जिसमें कांग्रेस और शिवसेना घटक थे, हिंदुत्व, वीर सावरकर या मुंबई धमाकों पर और अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम के मुद्दे पर कोई बड़ा निर्णय लेने से चूकती रही। शिंदे ने अब उन्होंने हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। यही वजह है कि उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर राज्य में सरकार बनाने का निर्णय लिया है।

सीएम शिंदे ने कहा शिवसेना-भाजपा ने एक साथ चुनाव लड़ा था और सरकार बन गई कांग्रेस-एनसीपी के साथ। इसके कारण जब भी हिन्दुत्व के मुद्दे आए, दाऊद का मुद्दा आया, मुंबई बम ब्लास्ट का मुद्दा और भी कई मुद्दे जब आते थे, हम कोई भी निर्णय नहीं ले पा रहे थे। शिंदे ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री नवाब मलिक का जिक्र करते हुए कह रहे थे, जिन्हें इस साल फरवरी में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसकी गतिविधियों से जुड़ी मनी-लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में गिरफ्तार किया था।

दाऊद इब्राहिम 1993 में मुंबई में हुए बम धमाकों का मुख्य आरोपी है, जिसमें 257 लोग मारे गए थे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मई में मलिक के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चार्जशीट दाखिल की थी। शिंदे ने बताया उन्होंने कई बार चर्चा की कि महाविकास अघाडी में जो हम बैठे हैं इससे हमें फायदा नहीं, नुकसान है। हमारे विधायक चिंतित हैं कि कल चुनाव कैसे लड़ें। नगर पंचायत चुनाव में हम 4 नंबर पर गए। मतलब सरकार का फायदा शिवसेना को नहीं हो रहा। ऐसे में हमें कोई बड़ा निर्णय लेने की जरूरत थी। जब हम चुनाव में जीतते हैं, तो हमारे चुनाव क्षेत्र के मतदाताओं की विकास को लेकर अपेक्षा होती है। लेकिन हमारे विधायक काम नहीं कर पा रहे थे, फंड की कमी थी।

हमने इस बारे में हमारे वरिष्ठ से बात की परन्तु हमें कामयाबी नहीं मिली। इसलिए हमारे 40-50 विधायकों ने यह निर्णय लिया। फिर हम कोई गैरकानूनी काम नहीं कर रहे। लोकशाही में कानून है, नियम हैं। उसी के मुताबिक ही काम करना पड़ता है। हमारे पास बहुमत है। सुप्रीम कोर्ट में भी हमारे खिलाफ जो लोग गए थे, उन्हें भी कोर्ट ने डांट लगाई है। शिंदे ने देवेंद्र फडनवीस को बड़े दिलवाला बताया, जिन्होंने उपमुख्यमंत्री पद संभाला है। जब पार्टी का आदेश आता है, तो पार्टी का आदेश मानते हैं। मैं पीएम नरेंद्र मोदी का, केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा अध्यक्ष को धन्यवाद करता हूं। बता दें कि किसी ने भी इस बात की कल्पना नहीं की थी कि शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक 9 जुलाई को, जयपुर में गृहमंत्री अमित शाह करेंगे अध्यक्षता

नयी दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह आगामी नौ जुलाई को जयपुर में होने वाली उत्तरी क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें सुरक्षा, सड़क, परिवहन, उद्योग, पानी, बिजली और आम हितों के अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तरी क्षेत्रीय परिषद में हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ शामिल हैं। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि बैठक में इन सदस्य राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, वरिष्ठ अधिकारी और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। अधिकारी ने बताया कि इस बैठक में सुरक्षा, सड़क, परिवहन, उद्योग, जल, बिजली, आर्थिक और सामाजिक नियोजन के क्षेत्रों के साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होगी। हमेशा की तरह क्षेत्रीय परिषद की बैठक से पहले परिषद की एक स्थायी समिति की बैठक की जाएगी, जिसमें परिषद के समक्ष रखी जाने वाली कार्यसूची के एजेंडा की जांच और प्राथमिकता तय की जाएगी।

उत्तर प्रदेश में इस वर्ष 35 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया कि इस वर्ष राज्य में 35 करोड़ पौधे रोपे जाएंगे और इनमें से 25 करोड़ पौधरोपण आज हो रहा है। योगीने मंगलवार को चित्रकूट जिले के मानिकपुर विकासखंड के मड़ैयन ग्राम पंचायत के मजरा से हरिन के पास वन महोत्वस के अंतर्गत पौध रोपण जन आंदोलन-2022 अभियान की शुरुआत की और इस मौके पर पीपल, बरगद, पाकड़ (हरिशंकरी) के पौधे रोपित किये। राज्य सरकार के मंत्रियों ने अलग-अलग जिलों में पौध रोपण कर अभियान को आगे बढ़ाया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को मंगलवार को अयोध्या में पौधारोपण अभियान में शामिल होना था लेकिन हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ जाने की वजह से उनका दौरा रद्द कर दिया गया। राज्य के दूसरे उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंहगोरखपुर तथा वित्त मंत्री सुरेश खन्ना मेरठ में इस अभियान में शामिल हुए। मंगलवार को यहां जारी एक सरकारी बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार चित्रकूट सहित संपूर्ण बुंदेलखंड क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आज यहां 32 करोड़ 86 लाख रुपये से अधिक लागत की 15 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 82 करोड़ 54 लाख रुपये से अधिक लागत की 28 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया योगी ने कहा कि प्रदेश में इस वर्ष 35 करोड़ पौधों को रोपा जाएगा, जिनमें से 25 करोड़ पौधों का रोपण आज संपन्न किया जा रहा है। उनके अनुसार इस कार्य में समस्त जनप्रतिनिधियों और शासन प्रशासन के अधिकारियों का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि आगामी दो दिनों में पांच करोड़ पौधों को रोपा जाएगा, साथ ही, आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर 15 अगस्त, 2022 को पांच करोड़ पौधे रोपित किए जाएंगे तथा प्रत्येक ग्राम पंचायत में 75-75 पौधों के रोपण का कार्यक्रम संपन्न किया जाएगा।

भारत ने यूक्रेन संकट पर बिल्कुल रूख अपनाया: जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत ने यूक्रेन संकट पर बिल्कुल सही रूख अपनाया है। उन्होंने कहा कि यह बेहद पेचीदा मसला है, जहां सबसे तात्कालिक मुद्दा युद्ध को बढ़ने से रोकना है। यूक्रेन युद्ध में भारत की रणनीति की तुलना महाभारत में भगवान कृष्ण की रणनीति से करते हुए उन्होंने कहा कि कृष्ण ने युद्ध को रोकने के लिए जो भी उनके बस में था, वह सबकुछ किया। देखा जाए तो नई दिल्ली ने भी यही किया।

एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक और सामरिक हित दांव पर हैं और रूस-यूक्रेन युद्ध से उत्पन्न ईंधन और खाद्यान्न की कमी के मद्देनजर भारत को अपने लोगों के हितों की रक्षा करनी है। जयशंकर ने कहा भारत दक्षिण एशिया पर बहुत अधिक ध्यान दे रहा है और पड़ोसी देश इस क्षेत्र के एकीकरण में नेतृत्व करने के लिए भारत की ओर देख रहे हैं। मंत्री दिल्ली विश्वविद्यालय में मोदी एट20ः ड्रीम्स मीट डिलीवरी पुस्तक पर एक चर्चा में बोल रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने श्रीलंका को उसके आर्थिक संकट में मदद की है।

भाजपा के दो पूर्व प्रवक्ताओं द्वारा पैगंबर मोहम्मद पर टिप्पणी से उठे विवाद पर जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत की छवि बदलने और खाड़ी देशों के साथ जुड़ाव और संबंधों पर बहुत ध्यान दिया है और कई देशों ने भारत के तर्क को स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कई देशों ने इस टिप्पणी का मसला उठाया और कई देशों ने राजदूतों को बुलाकर यह मुद्दा उठाया। जयशंकर ने कहा हमने कहा है कि जो कहा गया है वह पार्टी के विचारों को नहीं दर्शाता है और राजदूतों ने भी यही रेखांकित किया और 'मेरे ख्याल से उन्होंने इस स्वीकार किया है।

सीएम केजरीवाल ने किया दिल्ली शॉपिंग फेस्टिवल' का ऐलान, जानिए कब होगा इसका आयोजन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को बताया कि शहर में अगले साल 28 जनवरी से 26 फरवरी के बीच 'दिल्ली शॉपिंग फेस्टिवल' का आयोजन किया जाएगा और यह देश का ऐसा सबसे बड़ा महोत्सव होगा। उन्होंने बताया कि इसमें देश के साथ-साथ विदेशों से भी लोग शिरकत करेंगे और दिल्ली, उसकी संस्कृति, भोजन के बारे में जानने के साथ ही खरीदारी का लुत्फ उठाएंगे। इस आयोजन से रोजगार के हजारों अवसर पैदा होंगे। केजरीवाल ने कहा कि उनकी सरकार इस दौरान दिल्ली आने वाले लोगों को विशेष 'पैकेज' उपलब्ध कराने के लिए कई होटलों और विमानन कंपनियों से बात कर रही है। मुख्यमंत्री ने एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' यह भारत का सबसे बड़ा 'शॉपिंग फेस्टिवल' होगा और आने वाले कुछ वर्षों में हम इसे दुनिया का सबसे बड़ा 'शॉपिंग फेस्टिवल' बनाएंगे। इस दौरान दिल्ली को दुल्हन की तरह सजाया जाएगा और चीजों पर भारी छूट भी दी जाएगी।'' उन्होंने कहा कि इसमें आध्यात्मिकता, स्वास्थ्य, 'गेमिंग' और मनोरंजन से जुड़ी कई प्रदर्शनियां भी होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा, '' इसके लिए विशेष उद्घाटन तथा समापन समारोह होगा और आगंतुकों के मनोरंजन के लिए 200 संगीत कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मां काली पर बयान के बाद महुआ मोइत्रा ने बनाई टीएमसी से दूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देवी काली पर दिए बयान पर जारी विवाद के बीच तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने ट्विटर पर पार्टी से दूरी बना ली है। खबर है कि उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर टीएमसी को अनफॉलो कर दिया है। हाल ही में टीएमसी ने मोइत्रा की तरफ से देवी काली को लेकर दिए गए बयान से पल्ला झाड़ लिया था। खास बात है कि एक फिल्म के पोस्टर को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया था, जिसमें देवी के पोशाक में महिला को शराब का सेवन और धूम्रपान करते दिखाया गया था। हमेशा मुखर होकर बात कहने वाली मोइत्रा ने ट्विटर पर टीएमसी को अनफॉलो किया है। हालांकि, इसे लेकर पार्टी और सांसद दोनों ने ही आधिकारिक रूप से कुछ भी नहीं कहा है। देवी के बयान को लेकर टीएमसी ने मोइत्रा को फटकार लगाई थी और कहा था कि उन्होंने मां काली का अपमान किया है। इस संबंध में टीएमसी की तरफ से आधिकारिक बयान भी जारी किया गया था। पार्टी ने कहा था कि उनका निजी बयान था और पार्टी किसी तरह से इसका समर्थन नहीं करती है। उन्होंने कहा था, 'हिंदूवाद के तहत काली की उपासक होने के नाते मुझे मेरी काली की कल्पना उस तरह से करने की आजादी है... यह मेरी आजादी है मैं नहीं सोचती कि किसी की भावनाओं को आहत होना चाहिए।' हालांकि, टीएमसी सांसद ने मंगलवार को यह भी साफ किया कि उन्होंने किसी पोस्टर का समर्थन नहीं किया है।

डेंगू और चिकनगुनिया का होगा खत्मा, आईसीएमआर-वीसीआरसी के वैज्ञानिकों ने तैयार किया खास मच्छर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

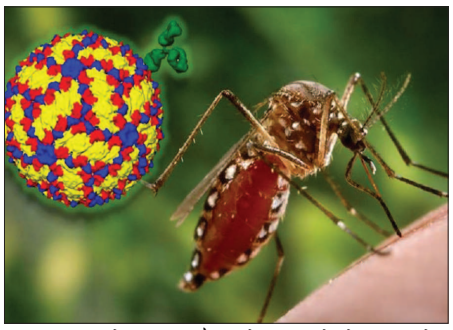

बरसात का मौसम आते ही डेंगू का डर सताने लगता है। लेकिन जल्द ही खतरनाक डेंगू और चिकनगुनिया से लोगों को राहत मिल सकती है। दरअसल वैज्ञानिकों ने एक ऐसा 'खास मच्छर' तैयार किया है, जो डेंगू फैलाने वाले मच्छरों का सफाया कर देगा। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने इसतरह के खास मादा मच्छरों को तैयार किया है। इससे पैदा होने वाले लार्वा में इनके वायरस नहीं होगा।

आईसीएमआर-वीसीआरसी के डायरेक्टर डॉक्टर अश्विनी कुमार ने बताया कि वैज्ञानिकों ने एक खास तरह के मच्छर तैयार किया हैं, जो डेंगू और चिकनगुनिया को धीरे-धीरे खत्म कर देगा। उन्होंने कहा, हम इसतरह के मादा मच्छरों को छोड़ने वाले हैं, जो नर मच्छरों के संपर्क में आकर ऐसा लार्वा पैदा करेगा, जिसमें ये वायरस नहीं होगा। हमारे द्वारा मच्छर और अंडे तैयार किए हैं, उन्हें कभी भी छोड़ सकते है। आईसीएमआर-वीसीआरसी के शोधकर्ताओं ने एडीज एप्टिज की दो प्रजातियों को विकसित किया है। ये दोनों प्रजातियां ही डेंगू को खत्म करेगी।

बता दें कि इस साल भारत सरकार ने डेंगू से निपटने के लिए बायोटेक्नोलॉजी विभाग के टीएचएसटीआई ने डीएनडीआई के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत अगले पांच साल के अंदर डेंगू की प्रभावशाली दवा को विकसित किया जाएगा। फिलहाल डेंगू से लड़ने के लिए कोई दवा नहीं है।

भारत में बरसात के मौसम में ये बीमारी तेजी से फैलती है। इसमें बुखार, बेचैनी, उल्टी और शरीर में काफी तेज दर्द होने लगता है। मरीजों में ब्लड प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगते हैं। कई बार मरीज में आंतरिक ब्लीडिंग शुरू हो जाता है, इससे कई अंग काम करने बंद कर देते हैं। आखिर में मरीज की मौत भी हो जाती है। उत्तर भारत में डेंगू के केस काफी ज्यादा आते हैं।

एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी पर वरुण गांधी का तंज, गरीब की रसोई फिर धुएँ से भरने लगी है

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आज घरेलू गैस की कीमतों में लगभग 50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। घरेलू गैस की कीमतों में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि के साथ एक बार फिर से आम लोगों पर महंगाई की जबरदस्त मार पड़ी है। लोगों का रसोई बजट बिगड़ने लगा है। सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के साथ साथ किचन की अन्य सामग्रियों पर भी महंगाई की जबरदस्त मार है और यही कारण है कि आम लोग महंगाई से त्रस्त नजर आ रहे हैं। दिल्ली में अब 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1053 रुपये हो गई है। अब इसी को लेकर केंद्र सरकार पर भाजपा सांसद वरुण गांधी ने जबरदस्त तरीके से तंज कसा है। हालांकि यह पहला मौका नहीं है, जब वरुण गांधी अपनी ही सरकार के खिलाफ ट्वीट कर रहे हैं। इससे पहले भी ऐसे कई मौके आज चुके हैं।

वरुण गांधी ने ट्वीट कर लिखा कि घरेलू सिलेंडर अब 1050 रु में मिलेगा! जब देश में बेरोजगारी चरम पर है तब भारतवासी पूरी दुनिया में सबसे महँगी रसोई खरीद रहे हैं। कनेक्शन कॉस्ट 1450 रु से बढ़ाकर 2200 रु, सिक्योरिटी 2900 से बढ़ाकर 4400, यहाँ तक की रेगुलेटर तक 100 रु महँगा है। गरीब की रसोई फिर धुएँ से भरने लगी है। आपको बता दें कि देश के अधिकांश शहरों में अब सरकार की तरफ से गैस सिलेंडर पर सब्सिडी नहीं दी जा रही है। लिहाजा अब लोगों को बिना सब्सिडी वाला सिलेंडर ही खरीदना पड़ रहा है। सरकार सिर्फ उज्ज्वला योजना के तहत मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन पाने वाले लाभार्थियों को ही एलपीजी सब्सिडी दे रही है। एलपीजी के दाम मई, 2022 से अबतक तीसरी बार और इस साल चौथी बार बढ़ाए गए हैं। सात मई को प्रति सिलेंडर 50 रुपये की वृद्धि की गयी थी। इससे पहले 22 मार्च को भी प्रति सिलेंडर कीमतों में इतनी ही वृद्धि की गयी थी। 19 मई को रसोई गैस सिलेंडर के दाम 3.50 रुपये बढ़ाए गए थे। जून, 2021 से अबतक रसोई गैस सिलेंडर के दाम 244 रुपये तक बढ़ चुके हैं। इसमें से 153.50 रुपये की बढ़ोतरी मार्च, 2022 से की गई है।

हालांकि, पेट्रोल और डीजल के दाम में पिछले तीन महीने से बदलाव नहीं हुआ है। इससे पहले, 22 मार्च से शुरू करते हुए 16 दिन के भीतर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कुल दस रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इस बढ़ोतरी के बाद मुंबई में एलपीजी का 14.2 किलोग्राम वाला सिलेंडर 1,052.50 रुपये का हो गया है। वहीं चेन्नई में इसकी कीमत 1,079 रुपये और कोलकाता में 1,068.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई है। पेट्रोलियम कंपनियों ने होटल एवं रेस्तरांओं द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर के दाम घटाए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यि गैस सिलेंडर का दाम 2,021 रुपये से घटाकर 2,012.50 रुपये कर दिया गया है।

पाकिस्तान: लुटेरा होने के संदेह में युवक की भीड़ ने पीट-पीटकर कर दी हत्या, पुलिस जांच में पाया गया बेकसूर

कराची। पाकिस्तान के जिस व्यक्ति की पिछले सप्ताह कराची में लुटेरा होने के संदेह में भीड़ ने पीट-पीटकर हत्या कर दी थी, वह बेकसूर था और निजी विवाद के चलते उसके पड़ोसियों ने उसे जानबूझ कर फंसाया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। घटना के चलते मृतक के परिजनों और कस्बा कॉलोनी में उसके आस-पड़ोस के लोगों ने उसकी अंत्येष्टि के दौरान हिंसक विरोध प्रदर्शन किया था, जिसमें दो लोग मारे गए थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मारूफ उस्मान ने कहा कि एक समिति द्वारा जांच के बाद यह पाया गया कि भीड़ द्वारा पीट-पीट कर मार डाला गया व्यक्ति लुटेरा नहीं था और स्नूकर क्लब में विवाद होने के बाद उसके तीन पड़ोसियों ने उसे फंसाया था। उन्होंने कहा, 'वह निर्दोष था और व्यक्तिगत विवाद के कारण उसे जानबूझकर उसके पड़ोसियों द्वारा लूटपाट के लिए फंसाया गया था। उन्होंने यह भी कहा कि लूट की कोई घटना नहीं हुई थी।' पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर में संदिग्ध लुटेरों और अपराधियों को पीट-पीट कर मार डालने की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, क्योंकि सड़क पर होने वाले अपराधों और लूटपाट से तंग आ चुके लोग कानून अपने हाथ में लेने को प्राथमिकता दे रहे हैं। मारूफ ने बताया कि इस घटना में उस व्यक्ति का अपने पड़ोस के एक स्नूकर क्लब में अपने तीन पड़ोसियों के साथ विवाद हो गया था। उन्होंने बताया, 'उनके बीच हाथापाई होने के बाद, संदिग्ध व्यक्ति भागने लगे और शोर मचाना शुरू कर दिया कि लुटेरे उनका पीछा कर रहे हैं। इसके बाद, भीड़ जमा हो गई और पीछा करने वाले व्यक्तियों की पिटाई की, जिनमें से एक की बाद में अस्पताल में मौत हो गई। जबकि उसका एक दोस्त बुरी तरह घायल हो गया और एक अन्य को पुलिस ने बचा लिया। मारूफ ने कहा, 'पुलिस द्वारा की गयी पूरी जांच में यह पता चला कि वह व्यक्ति (मृतक) निर्दोष था।' मारूफ ने कहा कि उन्होंने इलाके के बुजुर्गों की मदद से सच्चाई का पता लगाया। उन्होंने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की दुखद घटनाएं समाज में असहिष्णुता और भीड़ की मानसिकता के स्तर को दर्शाती हैं।

अब चांद पर कब्जा करना चाहता है चीन, नासा ने किया चौंकाने वाला दावा, मिशन स्पेस को बताया मिलिट्री प्रोग्राम

बीजिंग। अंतरिक्ष क्षेत्र बेहद ही महत्वपूर्ण और विशाल आयाम आने वाले वॉर वेयर के अंदर होने वाला है। इस वजह से विश्व के सुपर पावर मुल्क अपने-अपने तरीके से यहां अपना आधिपत्य जमाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी कड़ी में नासा ने चीन के स्पेस मिशन को एक मिलिट्री प्रोग्राम बताया है। चीन चांद के ऊपर पूरा कंट्रोल चाहता है। नासा की तरफ से दावा किया गया है कि चीन स्पेस में दूसरे देशों के सैटेलाइट को नष्ट करना चाहता है। जर्मन अखबार बिल्ड में नासा के एडमिस्ट्रेटर बिल निल्सन ने ये खुलासा किया है। बिल निल्सन की तरफ से किए दावे पर आधारित रिपोर्ट के अनुसार चीन अपने स्पेस स्टेशन में दूसरे देशों के सैटेलाइट को उड़ाए जाने को लेकर रिसर्च कर रहा है। चांद के साउथ पोल पर पानी के भंडार से वहां रॉकेट फ्यूल बनाया जा सकता है। इसी पर पूरी दुनिया की नजर है। अमेरिका चीन को दुनिया का सबसे बड़ा साइबर खतरा मानता रहा है। अब स्पेस में भी अमेरिका चीन को सबसे बड़ी मिलिट्री खतरा मान रहा है। आपको याद होगा कि कुछ दिनों पहले ये खबर आई थी कि चांद के ऊपर दो जगह रॉकेट के गढ्ढे बने थे। उसे खारिज कर दिया गया कि ये रॉकेट हमला नहीं है और इस पर जांच भी नहीं हुई। चीन जिस तरह से मिसाइल सिस्टम बना रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियन ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि यह पहली बार नहीं है, जब यूएस नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख ने तथ्यों की अनदेखी की है और चीन के बारे में गैर-जिम्मेदाराना बात की है। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी पक्ष ने चीन के सामान्य और उचित बाहरी अंतरिक्ष प्रयासों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया है और चीन इस तरह की गैर-जिम्मेदाराना टिप्पणियों का कड़ा विरोध करता है।

फिल्म काली पर विवाद के बाद आयोजकों ने जताया खेद, कनाडा में अब नहीं होगी फिल्म की स्क्रीनिंग

टोरंटो । फिल्म काली पर विवाद के बाद अब आयोजकों ने हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होने पर खेद जताया है। फिल्ममेकर लीना मणिमेकलई की डॉक्यूमेंट्री फिल्म काली के पोस्टर और वीडियो पर हुए बवाल के बाद आयोजकों ने यह तय किया है कि अब फिल्म की स्क्रीनिंग नहीं की जाएगी। टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने एक बयान में कहा कि इस फिल्म ने संवेदनशीलता पैदा की है और इस समय पर इसे फिर से दिखाने की कोई योजना नहीं है। आगा खां म्यूजियम में 'अंडर द टेंट' प्रोजेक्ट के तहत फिल्म काली दिखाई जानी थी, जिसका आयोजन टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने किया जाना था। हिंदू देवी-देवताओं की बेअदबी के इस मामले को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर देश-विदेश में गुस्सा है। इस पूरे मामले पर भारत के उच्चायोग ने भी आयोजकों से चिंता जाहिर की थी। ओटावा में भारतीय उच्चायोग ने कनाडाई अधिकारियों से अपील की थी कि आपत्तिजनक सामग्री को वापस लिया जाए। आगा खां म्यूजियम ने एक बयान जारी कर कहा इस संग्रहालय को इस बात का गहरा खेद है कि 'अंडर द टेंट' के 18 लघु वीडियो में से एक और इसके साथ सोशल मीडिया पोस्ट में अनजाने में हिंदुओं और अन्य धार्मिक समुदायों के सदस्यों को आहत किया है। वहीं टोरंटो मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी ने बयान जारी कर कहा हमें खेद है कि 2 जुलाई को हमारे 'अंडर द टेंट' प्रेजेंटेशन में कुछ सामग्री से लोगों की भावनाएं आहत हुई। हम इस मामले में कार्रवाई कर रहे हैं। यूनिवर्सिटी ने कहा कि हम समानता, विविधता और समावेश के लिए प्रतिबद्ध हैं, जबकि साथ ही हमारे समाज में विश्वासों और दृष्टिकोण की विविधता का सम्मान करते हैं। इसी बीच एक अन्य मामले में टोरंटो शहर ने सिख संगठन वर्ल्ड सिख ऑर्गेनाइजेशन से माफी मांगी है। कोविड के चलते टोरंटो शहर में क्लीन शेव पॉलिसी लागू की गई थी, जिसका पालन न करने के चलते करीब 100 सिख सुरक्षा गार्ड्स की नौकरी चली गई थी। यह पॉलिसी एन95 मास्क के सही फिटिंग के लिए लाई गई थी। इस मामले पर हरकत में आकर टोरंटो शहर ने बयान जारी करते हुए कॉन्ट्रेक्टरों से कहा है कि वह सभी सुरक्षा गार्ड को तुरंत वापस नौकरी पर रखें।

गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद होने के लिए तैयार रहना चाहिए : ईयू

ब्रसेल्स । यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयन ने कहा कि 27 देशों वाले यूरोपीय संघ को यूक्रेन और रूस के बीच जारी जंग के कारण रूस से मिलने वाली गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद होने के लिए तैयार रहना चाहिए। ईयू ने पहले से ही रूस पर, ऊर्जा आपूर्ति सहित कई प्रतिबंध लगाए हैं और वह क्रेमलिन नियंत्रित वस्तुओं की आपूर्ति से खुद को दूर कर रहा है, लेकिन लेयन ने कहा कि संगठन के सदस्य देशों को मास्को से झटके के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में ईयू विधायिका में कहा, हमें गैस की आपूर्ति रुकने की तैयारी अभी करनी चाहिए। रूस से प्राप्त होने वाली गैस की आपूर्ति पूरी तरह बंद हो सकती है।

उज्बेकिस्तान में हिंसक प्रदर्शनों में अब तक 18 से अधिक लोगों की जान गई, सैकड़ों घायल हुए

ताशकंद । मध्य एशियाई देश उजबेकिस्तान के स्वायत्त प्रांत काराकालपाकस्तान में पिछले हफ्ते भड़के प्रदर्शनों ने हिंसात्मक स्वरूप ग्रहण कर लिया है। इन प्रदर्शनों में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इस दौरान सुरक्षाबलों ने 516 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया है। हालांकि बाद में इन सभी लोगों को रिहा कर दिया गया। नेशनल गार्ड ने बताया कि हिंसात्मक प्रदर्शनों को रोकने की कोशिशें की जा रही हैं। दो निर्वासित राजनेता इन प्रदर्शनकारियों के संपर्क में हैं और उनका मानना है कि मारे गए लोगों की संख्या कहीं ज्यादा है। सही आंकड़ें का पता लगा पाना असंभव है। राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव ने संविधान के उस आर्टिकल में संशोधन करने की योजना को शनिवार को रद्द कर दिया था जो काराकालपाकस्तान की स्वयत्ता और इसके अलग होने के अधिकार से जुड़ा था। उन्होंने इसके साथ ही इस उत्तर पश्चिमी इलाके में एक महीने के लिए आपातकाल की घोषणा कर दी थी। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने प्रांत की राजधानी नुकुस से पिछले शुक्रवार को एक मार्च निकाला। उन्होंने इसके साथ ही स्थानीय सरकार की कई इमारतों को भी जब्त करने की कोशिशें की थीं। प्रॉसिक्यूटर जनरल के ऑफिस की तरफ से बताया गया है कि गंभीर चोट आने की वजह से 18 लोगों की मौत हो गई है। नेशनल गार्ड के मुखिया ने कहा कि मारे गए लोगों में 14 नागरिक और 4 कानूनी एजेंसियों के अधिकारी हैं। काराकालपाकस्तान, अरल सागर के किनारों पर स्थित है। कई दशकों से इसे पर्यावरण के लिए तबाही की जगह माना गया है। यह जगह काराकलपाक्स विशिष्ट समुदाय का घर है। इस समुदाय की भाषा उजबेकिस्तान के बाकी लोगों से बहुत अलग है।

सिडनी मे आयी बाढ़ के बाद जोम्स टेलर व जोसुआ मेयर्स नाव के सहारे इलाके को पार करते हुए।

ब्लिंकन जी-20 के सम्मेलन में चीन के विदेश मंत्री से मिलेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन इस हफ्ते इंडोनेशिया में होने जा रही जी 20 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में अपने चीन के समकक्ष वांग यी के साथ वार्ता करेंगे। विदेश विभाग ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि ब्लिंकन बाली में जी-20 देशों की बैठक में चीन के विदेश मंत्री यी से मुलाकात करेंगे। बयान में ब्लिंकन और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच मुलाकात होने की किसी संभावना का कोई ज़िक्र नहीं है। बता दें कि लावरोव भी जी-20 की बैठक में शामिल होंगे। ब्लिंकन और लावरोव की आखिरी बार मुलाकात इस साल जनवरी में स्विट्जरलैंड के जिनेवा में हुई थी और यह निष्फल साबित हुई थी, क्योंकि एक महीने बाद ही रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। वहीं अमेरिका और चीन के रिश्तों में खींचतान बनी रहती है।

कराची में फंसे स्पाइसजेट के 138 यात्रियों को 11 घंटे बाद दुबई किया गया रवाना

- विमान को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायबर्ट करना पड़ा था

कराची (एजेंसी)।

दिल्ली से दुबई के लिए उड़ान भर रही स्पाइसजेट के एक विमान को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायबर्ट करना पड़ा। स्पाइसजेट एयरलाइन के प्रवक्ता की ओर से यह जानकारी दी। एयरलाइन के अनुसार विमान के कराची में लैंड करने के बाद यात्रियों को सुरक्षित उतारा गया, इस दौरान किसी आपात स्थिति की घोषणा नहीं की गई। हालांकि, बाद में वैकल्पिक विमान के जरिये 138 यात्रियों को कराची से दुबई के लिए रवाना किया गया। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि 5 जुलाई 2022 को स्पाइसजेट के बी737 विमान की फ्लाइट एसजी-11 (दिल्ली-दुबई) को इंडिकेटर लाइट में खराबी के कारण कराची की ओर डायवर्ट किया गया था। विमान कराची में सुरक्षित लैंड हुआ। यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस दौरान आपात स्थिति की घोषणा नहीं की गई। विमान ने सामान्य लैंडिंग की।

विमान में उड़ान से पहले खराबी की कोई रिपोर्ट नहीं थी। यह घटना दिल्ली से जबलपुर की उड़ान भर रहे स्पाइसजेट क्यू400 एयरलाइन के केबिन में धुआं भरने के बाद वापस दिल्?ली लौटने के दो दिन बाद सामने आई है। यह विमान 5 हजार फीट की ऊंचाई पर था, जब क्रू ने पहली बार धुआं देखा और स्मोक अलार्म बज गया। जब फ्लाइट 14 हजार फीट की ऊंचाई पर पहुंची तो धुआं बढ़ने लगा। इसके बाद उसने एयर ट्रैफिक कंट्रोल को जानकारी दी और सहायता मांगी। बाद में फ्लाइट को दिल्ली वापस लाया गया। सेफ लैंडिंग के बाद सभी यात्रियों को उतारा गया।

इससे पहले भी स्पाइसजेट के विमान को लेकर कई घटनाएं सामने आई हैं। 19 जून को दिल्ली से जबलपुर जा रही स्पाइसजेट के विमान को खराब के चलते फिर से दिल्ली लौटना पड़ा। दरअसल, जब विमान 5000 मीटर की फीट की ऊंचाई पर था तभी केबिन में अचानक से धुआं फैलने लगा। इसके चलते दिल्ली में विमान की लैंडिंग करानी पड़ी। इसके कुछ देर बाद दूसरे विमान से यात्रियों को जबलपुर ले जाया गया। वहीं इस घटना से पहले भी पटना में स्पाइसजेट का विमान पक्षी से टकरा गया था, जिसके चलते एक इंजन में आग लग गई थी। इसके बाद विमान की पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।

रूस को अलग थलग किये जाने के प्रयासों का समर्थन नहीं करने के लिए भारत की सराहना करते हैं: रूसी राजदूत

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में रूस के राजदूत डेनिस अलीपोव ने मंगलवार को कहा कि बहुपक्षीय मंचों पर उनके देश को अलग-थलग करने के प्रयासों का समर्थन नहीं करने के लिए रूस भारत की सराहना करता है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़ रहा है। अलीपोव ने यह भी कहा कि ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) के विस्तार के विचार को डीजिटल माध्यम से समूह के हालिया शिखर सम्मेलन में सैद्धांतिक समर्थन मिला है, लेकिन उन्होंने कहा कि मामले में कोई भी जल्दबाजी प्रतिकूल हो सकती है। उन्होंने रूसी प्रकाशन 'स्पूतनिक' से बातचीत में कहा, 'ऐसी प्रक्रिया के सिद्धांतों, मानकों और प्रक्रियाओं के बारे में विस्तार से सोचना आवश्यक है, जिसे चर्चा और आम सहमति से विकसित किया जाना चाहिए।' भारत और रूस के संबंध में बारे में अलीपोव ने कहा कि यह साझेदारी एक गहरी रणनीतिक नींव पर टिकी है, जो न केवल मजबूत ऐतिहासिक जड़ों पर आधारित है, बल्कि भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के समान दृष्टिकोण पर भी आधारित है। उन्होंने कहा, 'हम यूक्रेन की घटनाओं के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के लिए नई दिल्ली के आभारी हैं। स्पष्ट रूप से, वे मौजूदा भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक स्थिति की पृष्ठभूमि को समझते हैं ... वे वर्तमान वैश्विक खाद्य और ऊर्जा संकट की उत्पत्ति में गैर कानूनी प्रतिबंधों की विनाशकारी भूमिका देखते हैं।' अलीपोव ने कहा कि भारत बहुपक्षीय मंचों पर रूस को अलग-थलग करने के प्रयासों का समर्थन नहीं करता है और अन्य प्रमुख वैश्विक तथा क्षेत्रीय समस्याओं की अनदेखी कर, अंतरराष्ट्रीय एजेंडे को संघर्ष तक सीमित करने की पश्चिम के रूख की आलोचना करता है। उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन संकट की पृष्ठभूमि में वैश्विक ऊर्जा और खाद्य बाजारों की स्थिति पर चर्चा करने के कुछ दिनों बाद आई है।

बोरिस जॉनसन की बढ़ी मुश्किलें, वित्त मंत्री ऋषि सुनक और हेल्थ सेक्रेटरी साजिद जावेद ने दिया इस्तीफा

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की मुश्किलें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। जानकारी के मुताबिक ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सनक ने बोरिस जॉनसन की सरकार को संकट में डालते हुए इस्तीफा दे दिया है। ऋषि सनक के अलावा स्वास्थ्य सचिव साजिद जाविद ने भी इस्तीफा दे दिया है। सनक ने अपने पत्र में कहा कि वह 'सरकार छोड़ने से दुखी' थे, लेकिन इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 'हम इस तरह से जारी नहीं रख सकते'। ऋषि सनक ने अपने त्याग पत्र में कहा, 'जनता सही ढंग से उम्मीद करती है कि सरकार सही ढंग से, सक्षम और गंभीरता से संचालित होगी। मैं मानता हूं कि यह मेरा आखिरी मंत्री पद हो सकता है, लेकिन मेरा मानना है कि ये मानक लड़ने लायक हैं और इसलिए मैं इस्तीफा दे रहा हूं।'

कदावार से दबाव का सामना कर रहे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को उस समय नए दबाव का सामना करना पड़ा जब एक पूर्व नौकरशाह ने हाल में निलंबित किए गए कंजर्वेटिव पार्टी के एक सांसद के कदाचार के आरोपों से डाउनिंग स्ट्रीट के निपटने के तौर तरीकों को लेकर बात की। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय में 2015 और 2020 के बीच स्थायी सचिव रहे लॉर्ड साइमन मैकडॉनल्ड ने संसद के मानक आयुक्त को पत्र लिखकर कहा कि डाउनिंग स्ट्रीट ने क्रिस पिंचर के बारे में गलत दावे किए जिन्होंने पिछले हफ्ते कंजर्वेटिव पार्टी के उप-मुख्य सचेतक के पद से इस्तीफा दे दिया था और नशे में दुर्व्यवहार करने की बात स्वीकार की थी।

लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम संयुक्त राष्ट्र के नए सैन्य कमांडर, शैलेश तिनाइकर की जगह लेंगे

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल मोहन सुब्रमण्यम को दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन (यूएनएमआईएसएस) का अपना नया 'फोर्स कमांडर' नियुक्त किया है। वह भारतीय सेना से ही नाता रखने वाले लेफ्टिनेंट जनरल शैलेश तिनाइकर की जगह लेंगे। एजेंसी से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया, '' यूएनएमआईएसएस फोर्स कमांडर के रूप में उनके (तिनाइकर के) अथक समर्पण, अमूल्य सेवा और प्रभावी नेतृत्व के लिए महासचिव उनके आभारी हैं।'' लेफ्टिनेंट जनरल शैलेश तिनाइकर को गुतारेस ने मई 2019 में यूएनएमआईएसएस का 'फोर्स कमांडर' नियुक्त किया था।

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमण्यम ने 36 वर्ष तक भारतीय सेना में सेवाएं दीं। हाल ही में, उन्होंने मध्य भारत में मिलिट्री रीज़न (ऑपरेशनल एंड लॉजिस्टिक रेडीनेस ज़ोन) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इससे पहले, उन्होंने 2019 से 2021 तक रक्षा मंत्रालय (सेना) के एकीकृत मुख्यालय में खरीद एवं उपकरण प्रबंधन के लिए अतिरिक्त महानिदेशक और 2018 से 2019 तक 'स्ट्राइक इन्फैंट्री डिवीज़न' में डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में कार्य किया। 2015 से 2016 तक 'इन्फैंट्री डिवीज़न' के डिप्टी जनरल ऑफिसर कमांडिंग और 2013 से 2014 तक 'माउंटेन ब्रिगेड' के कमांडर के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने 2008 से 2012 के बीच वियतनाम, लाओस और कंबोडिया में भारत के रक्षा प्रभारी के रूप में और 2000 में सिएरा लियोन में संयुक्त राष्ट्र मिशन के साथ एक 'स्टाफ ऑफिसर' के रूप में कार्य किया था।

लेफ्टिनेंट जनरल सुब्रमण्यम के पास रक्षा एवं प्रबंधन अध्ययन और सामाजिक विज्ञान में 'मास्टर ऑफ फिलॉसफी' की डिग्री है। गौरतलब है कि भारत, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में सबसे अधिक योगदान देने वाले देशों में से एक है। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में नवंबर 2021 तक 17,982 कर्मी तैनात थे। भारत, यूएनएमआईएसएस में दूसरा सबसे बड़ा सैन्य-योगदान करने वाला देश है। मिशन में 2385 शांतिरक्षकों के साथ भारत दूसरे स्थान पर है। सबसे अधिक शांतिरक्षक रवांडा के हैं। भारत के वर्तमान में यूएनएमआईएसएस में 30 पुलिस कर्मी तैनात हैं।

किसान परिवार में जन्में थे 14वें दलाई लामा, जानिए तिब्बती धर्मगुरु के बारे में रोचक बातें

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

दुनिया आज दलाई लामा का 87वां जन्मदिन मना रही है।14वें दलाई लामा तेंजिन ग्यात्सो का जन्म 6 जुलाई, 1935 को पूर्वी तिब्बत में हुआ था। चीन सरकार की दमनकारी नीतियों के चलते उन्हें तिब्बत छोड़ना पड़ा था और 31 मार्च, 1959 को वह चीन से भागकर भारत आ गए थे। तब से दलाई लामा हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्थित मैक्लोडगंज में रहकर तिब्बत की संप्रभुता के लिए अहिंसात्मक संघर्ष कर रहे हैं। दुनिया भर में घूमने वाले तिब्बती आध्यात्मिक नेता, तिब्बती निर्वासन आंदोलन का वैश्विक चेहरा उनकी प्रेम और करुणा में उनके विश्वास और भारत के प्रति उनके लगाव के लिए जाने जाते हैं।बता दें कि तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा के जन्मदिन के अवसर पर स्कूली छात्रों और विदेशी समर्थकों सहित सैकड़ों तिब्बती मुख्य बौद्ध मंदिर, त्सुगलगखांग में एकत्रित हुए। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जानकारी के लिए बता दें कि अपने पूरे जीवन में दलाई लामा ने शांति, सद्भाव और अहिंसा के प्रतीक के रूप में दुनिया के राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक नेताओं के बीच प्रमुखता हासिल की है।इसके अलावा वह चीन के अलोकतांत्रिक, धर्म-विरोधी और मानव-विरोधी रवैये और चीनी प्रशासन के तहत तिब्बतियों की अनकही पीड़ाओं को उजागर करने में भी सफल रहे हैं।चीन ने हमेशा तिब्बत के मामलों में दखल दिया है और लोगों को उनकी साधना करने से रोकने की कोशिश की है। दलाई लामा ने तिब्बती स्वतंत्रता आंदोलन के लिए व्यापक अंतरराष्ट्रीय समर्थन हासिल किया है।

14वें दलाई लामा के बारे में कुछ अज्ञात और रोचक बातें

1) 14वें दलाई लामा अपने सभी पूर्ववर्तियों में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले और सबसे लंबे समय तक जीवित रहने वाले हैं

2) दलाई लामा के कुछ दिलचस्प शौक पुरानी घड़ियों की मरम्मत करना है। उन्हें विज्ञान में गहरी रुचि के लिए जाना जाता है।

3) रिपोर्टों के अनुसार, 14वें दलाई लामा छह साल की उम्र में साधु बन गए।

4) जब दलाई लामा युवा थे, तो ऑस्ट्रियाई पर्वतारोही और खोजकर्ता हेनरिक हैरर के साथ उनकी घनिष्ठ मित्रता हो गई, जिनकी पुस्तक 'सेवन इयर्स इन तिब्बत' इसी दोस्ती से प्रेरित है।

5) दिलचस्प बात यह है कि 14वें दलाई लामा का परिवार तिब्बत से होने के बावजूद तिब्बती भाषा नहीं बोलता था। उन्होंने चीनी बोली जो चीन के पश्चिमी प्रांतों में मौजूद थी।

6) -दलाई लामा रोज सुबह 3 बजे उठते हैं और सुबह 5 बजे तक ध्यान करते हैं।

सुविचार — प्राण देकर भी मित्र के प्राण की रक्षा करनी चाहिए। - बाणभट्ट

संपादकीय

बढ़ा मान का कुनबा

मान सरकार की मंत्रिपरिषद का विस्तार यूं तो आम आदमी सरकार के शासन के लक्ष्यों को विस्तार देने की कवायद ही है लेकिन साथ ही मंत्रिमंडल में क्षेत्रीय व वर्गीय संतुलन कायम किया गया है। पंजाब में अप्रत्याशित जीत हासिल करके सत्ता में आई आप के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के तीन दिन बाद उन्नीस मार्च को मंत्रिमंडल का हिस्सा बनने पर दस मंत्रियों ने शपथ ली थी जिसमें सुशासन के संकल्पों व पार्टी के एजेंडे को क्रियान्वित करने की आकांक्षाओं को विस्तार दिया गया। मंत्रिमंडल में वरिष्ठता और राजनीतिक समीकरणों के चलते मंत्रियों का चयन किया गया था। उस समय सरकार में सात मंत्रियों के पद भरने बाकी थे। सरकार बनने के तीन माह बाद होने वाले इस मंत्रिमंडल विस्तार के बावजूद अभी तीन मंत्रियों के पद रिक्त हैं। भले ही मंत्रिमंडल का पहला विस्तार तीन माह बाद हुआ है लेकिन इस दौरान परिस्थितियों में तेजी से बदलाव हुआ है। सरकार कई मोर्चों पर लड़ रही है। लेकिन नये सिरे से पार्टी की लोकप्रियता का आकलन होने लगा है। इस बीच पार्टी ने प्रतिष्ठित संगरूर लोकसभा सीट खोई। इस हार से पार्टी को बड़ा झटका लगा है क्योंकि यह मुख्यमंत्री भगवंत मान की सीट रही है। इस सीट से वे दो बार सांसद भी चुने गये थे। एक मायने में विधानसभा चुनाव में शानदार जीत के बाद संगरूर चुनाव पार्टी की एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था। उम्मीद थी कि सरकार अपने कार्यकाल की उपलब्धियों की तार्किक व्याख्या करके सरकार के आभामंडल को विस्तार दे पायेगी, ताकि संगरूर क्षेत्र के मतदाताओं को पार्टी के पक्ष में लाने में कामयाबी मिल सके। यदि आप सरकार इस सीट के चुनाव को गंभीरता से लेती तो पार्टी की लोकप्रियता का ग्राफ गिरता नजर न आता। बहरहाल, सरकार का तीन माह का यह कार्यकाल मिलीजुली उपलब्धियों का ही रहा है। संगरूर की हार ने पार्टी के नीति-नियंताओं को आत्ममंथन करने को जरूर बाध्य किया है। निस्संदेह, मान सरकार आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय एजेंडे को आगे बढ़ाने की कवायद में जुटी है लेकिन शासन की विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। कानून-व्यवस्था के प्रश्न भी सामने आये हैं। सरकार की साख पर लोकप्रिय गायक मूसेवाला की हत्या ने सवाल खड़े किये हैं। हालांकि, भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार की मुहिम को लोगों का सकारात्मक प्रतिसाद भी मिला है। मान सरकार यह दिखाने की चेष्टा कर रही है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम को चलाकर वह जनता से किये वायदे को पूरा कर रही है। वह इस बात को प्रतीकों के रूप में प्रस्तुत कर रही है कि उसने कदाचार के आरोप में अपने ही मंत्री को बर्खास्त करने में संकोच नहीं किया। कुछ नौकरशाहों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की है। लेकिन प्रशासन में अनावश्यक हस्तक्षेप के आक्षेप भी लगे हैं। हालांकि, समग्रता में सरकार की उपलब्धियों का मूल्यांकन करना जल्दबाजी होगी। यह अच्छी बात है कि भूमि को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराने की कवायद को गति मिली है। वहीं पार्टी के घोषणापत्र में अहम मुद्दा रहे मुफ्त बिजली के वायदे को क्रियान्वित करने को सरकार ने निर्णायक कदम बढ़ा दिये हैं। दिल्ली में आप सरकार की बहुचर्चित मोहल्ला क्लीनिक योजना को अंतिम रूप देने की कोशिश जारी है। यह महज संयोग ही हो सकता है कि पंजाब में आम आदमी सरकार के मंत्रिमंडल का विस्तार ऐसे समय में हुआ है, जब महाराष्ट्र में आश्चर्यजनक घटनाक्रम के बाद बागी विधायकों ने अपनी मूल पार्टी छोड़कर नई सरकार बनवायी है। जिसमें राजनीति के बाजीगरों पर विधायकों की खरीद-फरोख्त के आरोप लगे हैं। निस्संदेह, सत्ता में भागीदारी न मिलने से अलग धड़ा बनाकर सरकार गिराने व बनाने का खेल सभी राजनीतिक दलों के लिये एक चेतावनी जैसा है कि विधायकों की महत्वाकांक्षाओं का भी ध्यान रखना जरूरी है।

आज के कार्टून

सत्य की ओर

जग्गी वासुदेव

कोई भी नर्क को समाप्त कर केवल स्वर्ग को नहीं रख सकता, मगर आप हर समय आनंदमय रह सकते हैं, इसलिए नहीं कि नर्क बनाने की संभावना आप के मन में घूम नहीं रही है, बल्कि अपनी विवेक शक्ति को ज्यादा मजबूत बनाकर। आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि नर्क का फैलाव आप के अंदर कभी न हो। इसके प्रति सजग रह कर आप ऐसा कर सकते हैं वरना नर्क के फैलाव की संभावना तो हर समय है ही। ये सजग रहने की योग्यता भी एक सीमा तक ही होती है। लेकिन अगर आप सारी निर्माण सामग्री को हटा दें, जो ऐसा या वैसा करने में सक्षम है, तो फिर ये बिल्कुल वैसा हो जाएगा कि आप किसी अंधेरे कमरे में बैठे हों, जहां न नीले प्रकाश की संभावना है, न ही सफेद की। लेकिन अब आप एक ऐसी दिशा में मुड़ गए हैं, जहां प्रकाश का कोई महत्त्व नहीं है। प्रकाश सिर्फ उसके लिए है, जो आंख खोल कर कहीं जाना चाहता है। जिसने आंखें बंद कर ली है और किसी दूसरी ही जगह है, उसके लिए प्रकाश से कोई फर्क नहीं पड़ता। उसके लिए तो प्रकाश अड़चन है। तो असत्य से सत्य की ओर जाने का मतलब किसी भौगोलिक दूरी को पार करना नहीं है। यह तो एक अंडे के बाहरी खोल की तरह है-अभी आप खोल के बाहर हैं। अगर आप अंदर की ओर मुड़ना चाहते हैं तो आप अंडे के साथ टक, टक, टक करने लगते हैं। आप को लगता है कि जब ये टूट जाएगा तो आप अंदर चले जाएंगे, पर नहीं, चूजा बाहर आएगा पूरी बात यही है। जब आप इसे तोड़ लेते हैं तो कोई अंदर नहीं जाता, एक पूरी तरह से नई संभावना बाहर आती है। इसीलिए, योग में जो प्रतीक चिह्न है, वह सहस्त्रार है-एक हजार पंखुड़ियों वाला पुष्प, जो बाहर आ रहा है, खिल रहा है। आप जब खोल को तोड़ते हैं तो आप ने जिसकी संभावना की कभी कल्पना भी नहीं की थी, वह चीज बाहर आती है। तो अगर आप इस आवरण को तोड़ना चाहते हैं तो आप कभी भी ये काम खुद नहीं कर पाएंगे क्योंकि आप खुद ही आवरण है। आप खुद को कैसे तोड़ पाएंगे? यह कर सकने के लिए आप के पास आवश्यक साहस नहीं है। मन भले कहे,'चलो, इसे तोड़ते हैं, एक चूजा बाहर आएगा'। पर नहीं, आप में ये हिम्मत नहीं होगी कि आप इसे खुद तोड़ सकें।

दर्दनाक हादसा- हिमाचल की सड़कों पर मौत का तांडव कब थमेगा?

(लेखक-नरेन्द्र भारती)

अल सुबह घर से काम पर निकले लोगों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा कि चंद मिनटों में मौत के आगोष में समा जाएंगें। ताजा हादसा आज 4 जुलाई 2022 को कुल्लु के सैंज में हुआ यहां एक निजि बस के गहरी खाई में गिरने से स्कूली बंच्चो समेत 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।यह हादसा सुबह 8 बजे के करीब हुआ। एक बार फिर लाषों के ढेर लगे, चारों तरफ खून बिखरा, लाषों को ढापनें के लिए कफन भी कम पड गए।घरों के इकलौते चिराग बूझ गए। हादसे से हर तरफ चीखो -पुकार मच गई।सैंज में हुए मौत के इस मंजर में हुई इन अकाल मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। इन हादसों से जनमानस खौफजदा है।प्रदेष में एक दिन में 11 लोगों की मौतें बहुत ही दुखद है। प्रदेश में ऐसा कोई दिन नहीं होता जब किसी की सड़क हादसे में मौत न हुई हो हादसों का यह क्रम लगातार जारी है।सबक न सीखना लागों की आदत बन गया है इतने हादसे हो रहे है मगर सुधार षून्य ही है।इस पर मंथन करना होगा। है।कुछ दिन पहले कुल्लु में ही यक स्कारपियों के गहरी खाई में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गइ थीं। हिमाचल में चंबा से लेकर किन्नौर तक सड़क हादसे होते जा रहे है।प्रतिदिन मौत का तांडव हो रहा है ।दर्दनाक हादसों में परिवार के परिवार मौत के आगोष में समाते जा रहे है।।हर रोज दर्जनों लोग मारे जा रहे है। हादसों के आंकड़ो पर नजर डाली जाए तो रौंगटे खडे हो जाते है। जनवरी 2022से लेकर 4 अगस्त 2022 तक सात महिनों में हजारों हादसे हो चुके है और हजारों लोग मारे जा चुके है और यह सिलसिला थमनें का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले कई भीशण हादसे हो चुके है। है।आंकडों के अनुसार 9 अप्रैल 2018 को एक भीशण हादसा कांगड़ा के नूरपुर के चेली में घटित हुआ था जहां एक निजि स्कूल की बस के खाई में गिरने से 26 बच्चो समेत 30की मौत हो गई थी।अधिकतर बच्चे नर्सरी में पढ़ने वाले थे इस हादसे में मरने वालों में बस का चालक ,एक षिक्षक व एक युवती षामिल थे। एक तेज रफतार मोटर साईकल सवार को बचाने के चलते यह हादसा सामने आया।हादसा इतना भंयकर था कि 24 बच्चो ने घटनास्थल पर ही दम तोड दिया था।वहीं 7 मई 2016 को जोगिन्द्रनगर के पास हिमाचल पथ परिवहन निगम की बस के गहरी खाई में गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई थी। मई 2016 को दोपहर कांगड़ा के ढलियारा में पंजाब से आए श्रध्दालूओं से भरी एक बस के 100 फीट खाई में गिरने से सात लोगों की मौत हो गई थी और 33 के लगभग घायल हो गए थे। प्रदेष में घटित यह खौफनाक हादसे बहुत ही दुखद हैं। इस सड़क हादसों में 11 लोगों की दर्दनाक मौत से हर हिमाचली उद्वेलित है। 2017 में भी हादसे पर हादसे हुए थे लोग असमय काल के गाल में समाते जा रहे हैं मगर हालात सुधरने के बजाए बिगड़ते ही जा रहे है लोग बीते हादसों को कैसे भूल जातें है । हिमाचल में हर रोज लापरवाही के कारण लोगों को मौत नसीब हो रही है अगर लोग जरा सी सावधनी बरते तो हादसों को रोका जा सकता है और अनमोल जीवन को बचाया जा सकता है।बीते हादसों पर नजर उाली जाए तो रौगटे खडे हो जाते है लगभग दो वर्श पहले एक भीशण हादसा मंडी के झिड़ी में हुआ था जब एक निजि बस चालक की लापरवाही के कारण 40 से अधिक लोगों की असमय मौत हो गई थी। व्यास नदी में गिरी इस बस में लगभग 70 सवारियां सवार थी। चालक कथित तौर पर मोबाईल फोन पर बात कर रहा था कि बस अनिंयत्रित हो गई और नदी में समा गई। पल भर में ही यात्री लाषों में तब्दील हो गये। गनीमत रही कि राफटिंग दल ने जान जोखिम में डालकर 17 लोगों की जिदंगियां बचा ली नही तो मरने वालों का आंकडा 60 हो जाता यह हादसा नहीं सरासर हत्याएं थी कि चालक ने खुद छलांग लगाकर यात्रियों को असमय मौत के मुहं में धकेल दिया। 27नवंबर 2015 को राजधानी षिमला जिला की तहसील कुपवी में एक बोलैरो जीप गिरने से चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई थी यह सब युवा अभी 25 और 30 वर्श की उम्र के थे।किन्नौर के कल्पा मे भी एक जीप के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई यह दोनों हादसे एक ही दिन हुए जिसमें पांच धरों के चिराग बूझ गए थे। पिछले महिने दो हृदयविदारक हादसों में 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी।पहला हादसा राजधानी षिमला में हुआ जहां एक कार के लगभग 250 फुट गहरी खाई में गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई जिनमें दो एसएसबी के जवान व एक आईटीआई का छात्र था। दूसरे हादसे में चंबा में बारातियों से भरी जीप के खाई में गिरने से 8 लोगों की मौत हो गई थी और 18 बाराती घायल हो गए थी इस मालवाहक जीप में 26 बराती सवार थे मोड़ पर चालक ने नियंत्रण खोया और यह जीप 250 मीटर गहरी खाई में गिर गई और आठ लोग बेमौत मारे गए मरने वालों में 18 से 30 साल तक के नौजवान थे जबकि एक 10 साल का लड़का था।लोग इतने लापरवाह होते जा रहे है कि जानबूझकर हादसों को न्यौता दे रहे है यदि जीप में क्षमता से अधिक लोग सवार किये गए तो हादसा होना निषचित था। बीते हादसों से न तो यात्रियों ने सबक सीखे और न ही प्रषासन ने कोई सबक सीखा ।अक्सर देखा गया है कि ज्यादातर हादसे ओवरलोडिगं के कारण होते है क्योकि इस 42 यात्रियों कि क्षमता वाली बस में 70 यात्री सफर कर रहे थे।यह कोई पहला हादसा नहें है इससे पहले कांगडा के आषापुरी में तथा बिलासपुर के बंदला में भी ऐसे भीशण हादसे हो चुके हैं। 2017 में इतने बड़े-बड़े हादसे हुए मगर इसमें सुधार नहीं हुआ।आखिर कब थमेगा यह मौत का मंजर इसका जबाव प्रषासन को देना होगा। प्रतिवर्श हजारों लोग हादसों का षिकार होते है तथा इतने ही घायल होते है ।अप्रैल माह में चंबा में भी 12 यवकों की मौत हो गई थी। हमीरपुर में भी मजदूर दिवस के दिन एक टाटा सूमों के खाई में गिरने से 10 मजदूरों की मृत्यु हो गई थी । 2018 के प्रथम सप्ताह से ही सड़को पर मौत रेंग रही है और सड़के रक्तरंजित हो रही हैं। अमूमन देखा गया है कि निजि बसां के कारण ज्यादातर दुर्घटनाएं हो रही है। क्योकि इन बसों में अप्रषिक्षित चालकों की लापरवाही के कारण भंयकर हादसे हो रहें हैं। मोबाइल पर प्रतिबन्ध है लेकिन इसकी खुजेआम धज्जियां उडाई जा रही है। प्रषासन भी हादसे के कुछ दिन सक्रियता दिखाता है फिर वही हालात हो जातें है। लोग भी किराये में कुछ रियायत के कारण सरकारी बसों में यात्रा न कर निजि बसों को अहमिहत देतें है और जिदंगियों से खिलवाड करवातें है। चंद चांदी के सिक्कों की खतिर बसों के परिचालक बसों में अपेक्षा से अधिक यात्रियों को बिठाते है और खुद मौत को निमंत्रण देते हैं। प्रतिदिन सडकों पर ओवरलोडिग बसें सरपट दौडती रहती है मगर प्रषासन आखें बंद करके सोया रहता है जब हादसा हो जाता है तब इसकी कुभंकरणी नींद टूटती है । प्रषासन के पहुचनें तक लोगों की सासें खत्म हो चुकी होती है। यदि प्रषासन समय-समय पर कारवाई करता रहे तों इन हादसों पर लगाम लग सकती है। मगर ऐसा नहीं होता ।समझ से परे है कि प्रषासन जितना पैसा राहत कार्यों में बांटता है यदि पहले ही सुरक्षा बरती जाए तो लोगों की अनमोल जिन्दगियां बच सकती हैं। एक व्यक्ति की लापरवाही का खामियाजा लोगों को जान देकर भुगतना पड रहा है। ऐसे लोगों को सजा-ए -मौत देनी चाहिए जो जानबूझकर लोगों की मौत का कारण बनते हैं। यह हादसा इतने जख्म दे गया कि लोगों को उबरने में वर्शों लग जाएगें। इसमें घरों के चिराग बूझ गये कई बच्चों के सिर से बाप का साया उठ गया तो कई माताओं व बहनों के सुहाग छिन गये, माता -पिता के बुढापे के सहारे असमय काल के गाल मे समा गए। विषेशज्ञ रिपोटों में सामने आता है कि 80 फीसदी हादसे चालकों की लापरवाही के कारण होतें है जबकि 20 फीसदी तकनीकी खराबी के कारण होतें है।

लैंगिक समानता व मानवाधिकारों का प्रश्न

अमेरिकी गर्भपात कानून/ सोनम लववंशी

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं के लिए गर्भपात कानून में बदलाव करने का निर्णय लिया है। इसके तहत पांच दशक पुराने गर्भपात कानून पर रोक लगा दी गई। अब अमेरिका में 50 साल पुराना संवैधानिक संरक्षण समाप्त हो गया। साथ ही अमेरिका के सभी राज्य गर्भपात को लेकर अपने नियम खुद बना सकेंगे। इस फैसले के बाद सम्भवतः अमेरिका के कुछ राज्यों में गर्भपात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लग जाएगा। देखा जाए तो यह फैसला कहीं न कहीं महिलाओं के लैंगिक समानता और मानवाधिकार के खिलाफ़ है। अमेरिका में 1973 के रो बनाम वेड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गर्भपात को संवैधानिक अधिकार का दर्जा दिया था। अमेरिका गर्भपात का अधिकार वापस लेने वाला पहला देश बन गया है। पिछले 25 साल में अमेरिका ने गर्भपात को लेकर कानूनों में कई बदलाव किए। लेकिन, तीन देश ही ऐसे हैं जहां गर्भपात को कठिन बनाने के लिए कड़े नियम कानून बनाए गए हैं। दुनिया में आज भी 67 देश ऐसे हैं जहां गर्भपात कराना बहुत ही आसान है। इन देशों में बिना वजह बताए सरलता से गर्भपात कराया जा सकता है। दुनिया के अधिकतर देशों में शुरुआती तीन महीनों में गर्भपात कराना गैर-कानूनी नहीं माना गया। जबकि, 26 देश तो ऐसे हैं, जहां गर्भपात कराना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। फिर चाहे मां या बच्चे की जान पर ही बात क्यों न आ जाए। बात भारत की करें तो हमारे देश में गर्भपात को लेकर कोई सख्त नियम नहीं है। भारत में सुरक्षित गर्भपात कराना कानूनी अधिकार है। हमारे देश में गर्भपात के लिए 'मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971' में बना था। इसके बाद 2021 में इस एक्ट में कुछ सुधार किए गए। इसके साथ ही कुछ विशेष परिस्थितियों में महिलाओं को मेडिकल गर्भपात का प्रावधान 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दिया गया है। संशोधित कानून के तहत दुष्कर्म पीड़िता या नाबालिग लड़की 24 हफ्ते तक गर्भपात करा सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, हर साल 2.5 करोड़ असुरक्षित गर्भपात होते हैं, जिसमें करीब 37 हजार महिलाओं की मौत तक हो जाती है। वैसे गर्भपात पर प्रतिबंध लगा देने मात्र से गर्भपात के आकंड़े कम नहीं होंगे, बल्कि गैरकानूनी तरीके से गर्भपात कराने के आंकड़े जरूर बढ़ जाएंगे। एक अनुमान के मुताबिक कोरोना महामारी के पहले साल ही 14 लाख महिलाएं अनचाहे गर्भ का शिकार हो गई थीं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की वार्षिक रिपोर्ट में भी इस बात का खुलासा हुआ कि दुनिया में हर साल 12.1 करोड़ से ज्यादा महिलाओं को अनचाहे गर्भधारण का सामना करना पड़ता है। यहां अनचाहे गर्भधारण से आशय है, महिलाओं को उनकी मर्जी के बिना गर्भवती कर दिया जाना। कई बार जबरदस्ती, कई बार वे मजबूरी में शिकार बन जाती हैं तो कई बार युद्धकाल की भेंट चढ़ना पड़ता है। ऐसे में देखा जाए तो गर्भपात पर प्रतिबंध लगना जायज़ नहीं ठहराया जा सकता। बात अगर भारत के बारे में की जाए, तो आज भी हमारे समाज में महिलाओं के पास अपनी इच्छा से गर्भवती होने या न होने का कोई विकल्प नहीं है। वे इतने सामाजिक और आर्थिक बंधनों में जकड़ी हैं कि इस दिशा में वे सोच ही नहीं पातीं। इस बात के पक्ष में कभी कोई महिला आंदोलन भी खड़ा नहीं हुआ। ऐसे में सवाल उठता है कि अनचाहे गर्भ के लिए क्या महिलाएं ही जिम्मेदार हैं! क्या पुरुषों की कोई जवाबदेही नहीं बनती। वैसे हमारे पुरुष प्रधान समाज में अनचाहे गर्भ के लिए महिलाओं को ही क्यों जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। अगर कोई लड़की गर्भवती हो जाए, तो समाज उसे हीनभावना से देखता है। जबकि, कोई उस लड़के को गलत नहीं समझता, जो इस कृत्य में सबसे बड़ा भागीदार होता है। ऐसे में यह दोयम दर्जे की मानसिकता कब तक पल्लवित होती रहेगी! अनचाहे गर्भधारण की वजह से अनगिनत समस्याओं का सामना महिलाएं तो करती ही हैं। अगर उन्हें ही इसके लिए कसूरवार हर बार ठहराया जाता रहा तो यह कतई उचित नहीं कहा जा सकता। ऐसी परिस्थितियों में गर्भपात करने का अधिकार महिलाओं से नहीं छीना जाना चाहिए। ये सच है कि गर्भपात कराने का सीधा असर महिलाओं के स्वास्थ्य पर ही पड़ता है। ऐसी स्थिति में अनचाहे गर्भ को रोकने के लिए महिलाओं को जागरूक करना जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों की मानें तो दुनिया में 64 देशों में 23 प्रतिशत महिलाएं यौन संबंध बनाने के लिए अपने साथी को इंकार तक नहीं कर पातीं! इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि 21वीं सदी में महिलाओं की स्थिति क्या है! वर्तमान दौर में हमारे समाज में महिलाओं को यौन हिंसा, लैंगिक असमानता व गरीबी की वजह से भी अनचाहे गर्भ का सामना करना पड़ता है। बात अनचाहे गर्भधारण की करें तो इसकी सबसे बड़ी वजह जानकारी का अभाव होना है। 21वीं सदी में भी महिलाओं को यौन सम्बधों की सही जानकारी नहीं होना, आधुनिक समाज के लिए दुखदाई है। भले ही कहने को दुनिया में यौन शिक्षा का प्रचलन बढ़ रहा है, लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि इसके लिए हमें अभी लम्बा सफर तय करना होगा।

सू-दोकू नवताल 2159

9			5	3		8		
2						9	6	
	7		6		1		2	
3		8						
4	5	7		8		3	1	2
						7		9
	8		2		5		3	
	2	4						8
		3		6	9			4

सू-दोकू 2158 का हल

3	5	9	6	1	2	8	7	4
2	6	8	9	7	4	1	3	5
7	4	1	3	8	5	2	6	9
1	2	6	5	3	8	9	4	7
8	9	3	4	2	7	5	1	6
5	7	4	1	6	9	3	8	2
4	3	2	8	5	6	7	9	1
9	8	7	2	4	1	6	5	3
6	1	5	7	9	3	4	2	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2159

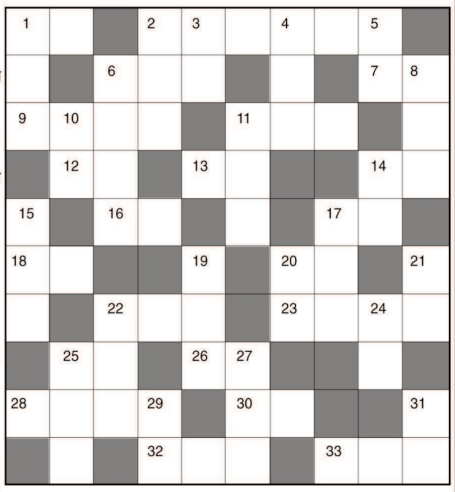

बायें से दायें:-

1. अमिताभ बच्चन, जया भादुड़ी की 'आये तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-2
2. 'तुझे जीवन की डोर से बांध लिया है' गीत वाली फिल्म-3,3
6. 'जाने वाले से मुलाकात ना होने पाई' गीत वाली फिल्म-3
7. फिल्म 'प्रहार' में डिपल कपाड़िया के साथ नायक कौन-2
9. मनोजकुमार, बबीता की फिल्म-4
11. 'ये चांद खिला' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस अभिनीत फिल्म-3
12. आमिर खान, मनीषा कोइराला अभिनीत फिल्म-2
13. सुनील शेट्टी, रंभा अभिनीत फिल्म-2
14. 'मुझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली फिल्म-2
16. जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-2
17. फिल्म 'जिद्दी' में रवीना टंडन के साथ नायक कौन था-2
18. बॉबी देओल, काजोल, मनीषा कोइराला की फिल्म-2
20. एक प्रसिद्ध गायक जिसका असली नाम 'शान्तनु मुखर्जी' है-2
22. शाहरुख खान, माधुरी की फिल्म-3
23. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई' गीत वाली फिल्म-4
25. 'रात अंधेरी दूर सवेरा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-2
26. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका-2
28. 'मैं इक चोर तू मेरी रानी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर अभिनीत फिल्म-2,2
30. 'ऐ मेरे दिल कहीं और चल' गीत वाली फिल्म-2
32. अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-3
33. सनी देओल, बॉबी देओल, उर्मिला मार्तोडकर की 'हां हां ये प्यार है' गीत वाली फिल्म-3

ऊपर से नीचे:-

फिल्म वर्ग पहेली- 2158

1. शत्रुघ्न सिन्हा, रीना राय अभिनीत फिल्म-3
2. राजेन्द्रकुमार, सायराबानो अभिनीत फिल्म-3
3. 'ये उजली चांदनी जब' गीत वाली फिल्म-2
4. ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-3
5. मेहमूद के ट्रिपल रोल वाली फिल्म 'हमजोली' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी ?-2
6. गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-4
8. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
10. अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत, किमी काटकर की फिल्म-2
11. शत्रुघ्न सिन्हा, संजयदत्त, शबाना, अनीता राज अभिनीत फिल्म-3
14. फिल्म 'बिच्छू' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी ?-2
15. भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
17. 'आंखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-3
19. सुरेश, मधुबाला अभिनीत फिल्म-3
20. फिल्म 'दिलजले' में अजय देवगन के किरदार का या नाम था-2
21. श्रेयस तलपदे, आयशा टकिया, गुल पनाग की अभिनीत फिल्म-2
22. विश्वजीत, वहीदा की 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली फिल्म-3
24. आशुतोष, शरदकपूर, रोहित, नेत्रा की फिल्म-2
25. दिलीप कुमार, मीना कुमारी की फिल्म-3
27. नवीन निश्चल, आशा पारेख की 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली फिल्म-3
29. 'एक मैं और एक तू' गीत वाली फिल्म 'खेल खेल में' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी ?-2
31. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा कोइराला की 'सपने में कुड़ी वो आंदी है' गीत वाली फिल्म-2

हिमालय का प्रवेशद्वार
ऋषिकेश

ऋषिकेश से संबंधित अनेक धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकला विष शिव ने इसी स्थान पर पिया था। विष पीने के बाद उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। एक अन्य अनुश्रुति के अनुसार भगवान राम ने वनवास के दौरान यहां के जंगलों में अपना समय व्यतीत किया था। रस्सी से बना लक्ष्मण झूला इसका प्रमाण माना जाता है।

हिमालय का प्रवेश द्वार, ऋषिकेश जहां पहुंचकर गंगा पर्वतमालाओं को पीछे छोड़ समतल धरातल की तरफ आगे बढ़ जाती है। हरिद्वार से मात्र 24 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ऋषिकेश विश्व प्रसिद्ध एक योग केंद्र है। ऋषिकेश का शांत वातावरण कई विख्यात आश्रमों का घर है। उत्तराखण्ड में समुद्र तल से 1360 फीट की ऊंचाई पर स्थित ऋषिकेश भारत के सबसे पवित्र तीर्थस्थलों में एक है। हिमालय की निचली पहाड़ियों और प्राकृतिक सुन्दरता से घिरे इस धार्मिक स्थान से बहती गंगा नदी इसे अतुल्य बनाती है। ऋषिकेश को केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री का प्रवेशद्वार माना जाता है। कहा जाता है कि इस स्थान पर ध्यान लगाने से मोक्ष प्राप्त होता है। हर साल यहां के आश्रमों के बड़ी संख्या में तीर्थयात्री ध्यान लगाने और मन की शान्ति के लिए आते हैं। विदेशी पर्यटक भी यहां आध्यात्मिक सुख की चाह में नियमित रूप से आते रहते हैं।

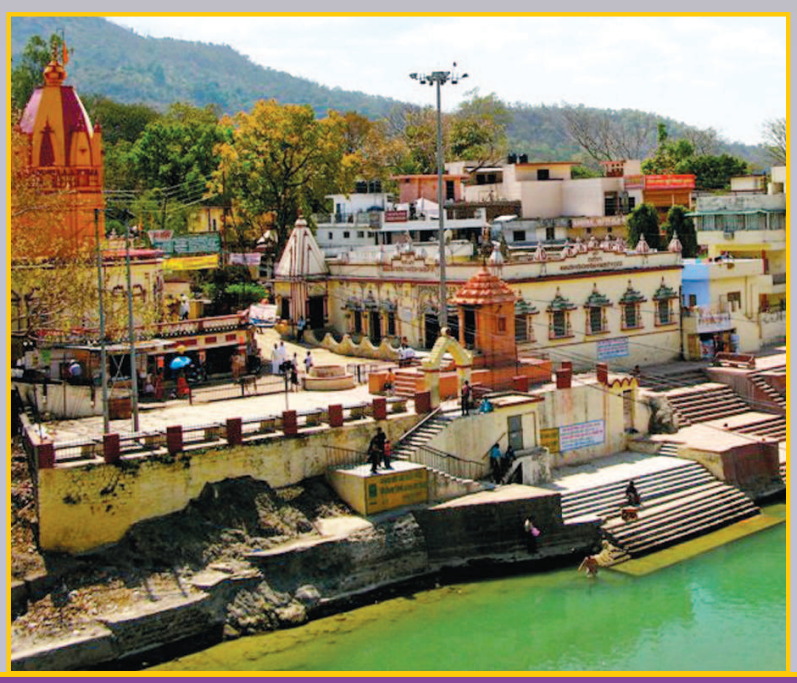

प्रचलित कथाएं

ऋषिकेश से संबंधित अनेक धार्मिक कथाएं प्रचलित हैं। कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरान निकला विष शिव ने इसी स्थान पर पिया था। विष पीने के बाद उनका गला नीला पड़ गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना गया। एक अन्य अनुश्रुति के अनुसार भगवान राम ने वनवास के दौरान यहां के जंगलों में अपना समय व्यतीत किया था। रस्सी से बना लक्ष्मण झूला इसका प्रमाण माना जाता है। 1939 ई. में लक्ष्मण झूले का पुनर्निर्माण किया गया। यह भी कहा जाता है कि ऋषि राभ्या ने यहां ईश्वर के दर्शन के लिए कठोर तपस्या की थी। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान ऋषिकेश के अवतार में प्रकट हुए। तब से इस स्थान को ऋषिकेश नाम से जाना जाता है।

लक्ष्मण झूला

गंगा नदी के एक किनार को दूसरे किनारे से जोड़ता यह झूला शहर की खास पहचान है। इसे 1939 में बनवाया गया था। कहा जाता है कि गंगा नदी को पार करने के लिए लक्ष्मण ने इस स्थान पर जूट का झूला बनवाया था। झूले के बीच में पहुंचने पर वह हिलता हुआ प्रतीत होता है। 450 फीट लंबे इस झूले के समीप ही लक्ष्मण और रघुनाथ मंदिर हैं। झूले पर खड़े होकर आसपास के खूबसूरत नजारों का आनंद लिया जा सकता है। लक्ष्मण झूला के समान राम झूला भी नजदीक ही स्थित है। यह झूला शिवानंद और स्वर्ग आश्रम के बीच बना है। इसलिए इसे शिवानंद झूला के नाम से भी जाना जाता है।

त्रिवेणी घाट

ऋषिकेश में स्नान करने का यह प्रमुख घाट है जहां प्रातः काल में अनेक श्रद्धालु पवित्र गंगा नदी में डुबकी लगाते हैं। कहा जाता है कि इस स्थान पर हिन्दु धर्म की तीन प्रमुख नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम होता है। इसी स्थान से गंगा नदी दायीं ओर मुड़ जाती है। शाम को होने वाली यहां की आरती का नजारा बेहद आकर्षक होता है।

राम झूला पुल

स्वामी विशुद्धानन्द द्वारा स्थापित यह आश्रम ऋषिकेश का सबसे प्राचीन आश्रम है। स्वामी जी को काली कमली वाले नाम से भी जाना जाता था। इस स्थान पर बहुत से सुन्दर मंदिर बने हुए हैं। यहां खाने पीने के अनेक रेस्तरां हैं जहां सिर्फ शाकाहारी भोजन ही परोसा जाता है। आश्रम की आसपास हस्तशिल्प के सामान की बहुत सी दुकानें हैं।

नीलकंठ महादेव मंदिर-

लगभग 5500 फीट की ऊंचाई पर स्वर्ग आश्रम की पहाड़ी की चोटी पर नीलकंठ महादेव मंदिर स्थित है। कहा जाता है कि भगवान शिव ने इसी स्थान पर समुद्र मंथन से निकला विष ग्रहण किया गया था। विषपान के बाद विष के प्रभाव के से उनका गला नीला पड़ गया था और उन्हें नीलकंठ नाम से जाना गया था। मंदिर परिसर में पानी का एक झरना है जहां भक्तगण मंदिर के दर्शन करने से पहले स्नान करते हैं।

भरत मंदिर-

यह ऋषिकेश का सबसे प्राचीन मंदिर है जिसे 12 शताब्दी में आदि गुरू शंकराचार्य ने बनवाया था। भगवान राम के छोटे भाई भरत को समर्पित यह मंदिर त्रिवेणी घाट के निकट ओल्ड टाउन में स्थित है। मंदिर का मूल रूप 1398 में तैमूर आक्रमण के दौरान क्षतिग्रस्त कर दिया गया था। हालांकि मंदिर की बहुत सी महत्वपूर्ण चीजों को उस हमले के बाद आज तक संरक्षित रखा गया है। मंदिर के अंदरूनी गर्भगृह में भगवान विष्णु की प्रतिमा एकल शालीग्राम पत्थर पर उकेरी गई है। आदि गुरू शंकराचार्य द्वारा रखा गया श्रीयंत्र भी यहां देखा जा सकता है।

कैलाश निकेतन मंदिर-

लक्ष्मण झूले को पार करते ही कैलाश निकेतन मंदिर है। 12 खंड़ों में बना यह विशाल मंदिर ऋषिकेश के अन्य मंदिरों से भिन्न है। इस मंदिर में सभी देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित हैं।

वशिष्ठ गुफा-

ऋषिकेश से 22 किमी. की दूरी पर 3000 साल पुरानी वशिष्ठ गुफा बद्रीनाथ-केदारनाथ मार्ग पर स्थित है। इस स्थान पर बहुत से साधु विश्राम और ध्यान लगाए देखे जा सकते हैं। कहा जाता है यह स्थान भगवान राम और बहुत से राजाओं के पुरोहित वशिष्ठ का निवास स्थल था। वशिष्ठ गुफा में साधुओं को ध्यानमग्न मुद्रा में देखा जा सकता है। गुफा के भीतर एक शिवलिंग भी स्थापित है।

गीता भवन-

राम झूला पार करते ही गीता भवन है जिसे 1950 ई. में श्रीजयदयाल गोयन्काजी ने बनवाया गया था। यह अपनी दर्शनीय दीवारों के लिए प्रसिद्ध है। यहां रामायण और महाभारत के चित्रों से सजी दीवारें इस स्थान को आकर्षण बनाती हैं। यहां एक आयुर्वेदिक डिस्पेन्सरी और गीताप्रेस गोरखपुर की एक शाखा भी है। प्रवचन और कीर्तन मंदिर की नियमित क्रियाएं हैं। शाम को यहां भक्ति संगीत की आनंद लिया जा सकता है।

कैसे जाएं

वायुमार्ग-

ऋषिकेश से 18 किमी. की दूरी पर देहरादून के निकट जौली ग्रान्ट एयरपोर्ट नजदीकी एयरपोर्ट है। इंडियन एयरलाइन्स की फ्लाइटें इस एयरपोर्ट को दिल्ली से जोड़ती है।

रेलमार्ग-

ऋषिकेश का नजदीकी रलवे स्टेशन ऋषिकेश है जो शहर से 5 किमी. दूर है। ऋषिकेश देश के प्रमुख रलवे स्टेशनों से जुड़ा हुआ है।

सड़क मार्ग

दिल्ली के कश्मीरी गेट से ऋषिकेश के लिए डीलक्स और निजी बसों की व्यवस्था है। राज्य परिवहन निगम की बसें नियमित रूप से दिल्ली और उत्तराखंड के अनेक शहरों से ऋषिकेश के लिए चलती हैं।

तीर्थयात्रियों के ठहरने के लिए यहां सैकड़ों कमरे हैं।

खरीददारी

ऋषिकेश में हस्तशिल्प का सामान अनेक छोटी दुकानों से खरीदा जा सकता है। यहां अनेक दुकानें हैं जहां से साड़ियों, बेड कवर, हैन्डलूम फेबरिक, कॉटन फेबरिक आदि की खरीददारी की जा सकती है। ऋषिकेश में सरकारी मान्यता प्राप्त हैन्डलूम शॉप, खादी भंडार, गढ़वाल वूल और क्राफ्ट की बहुत सी दुकानें हैं जहां से उच्चकोटि का सामान खरीदा जा सकता है।

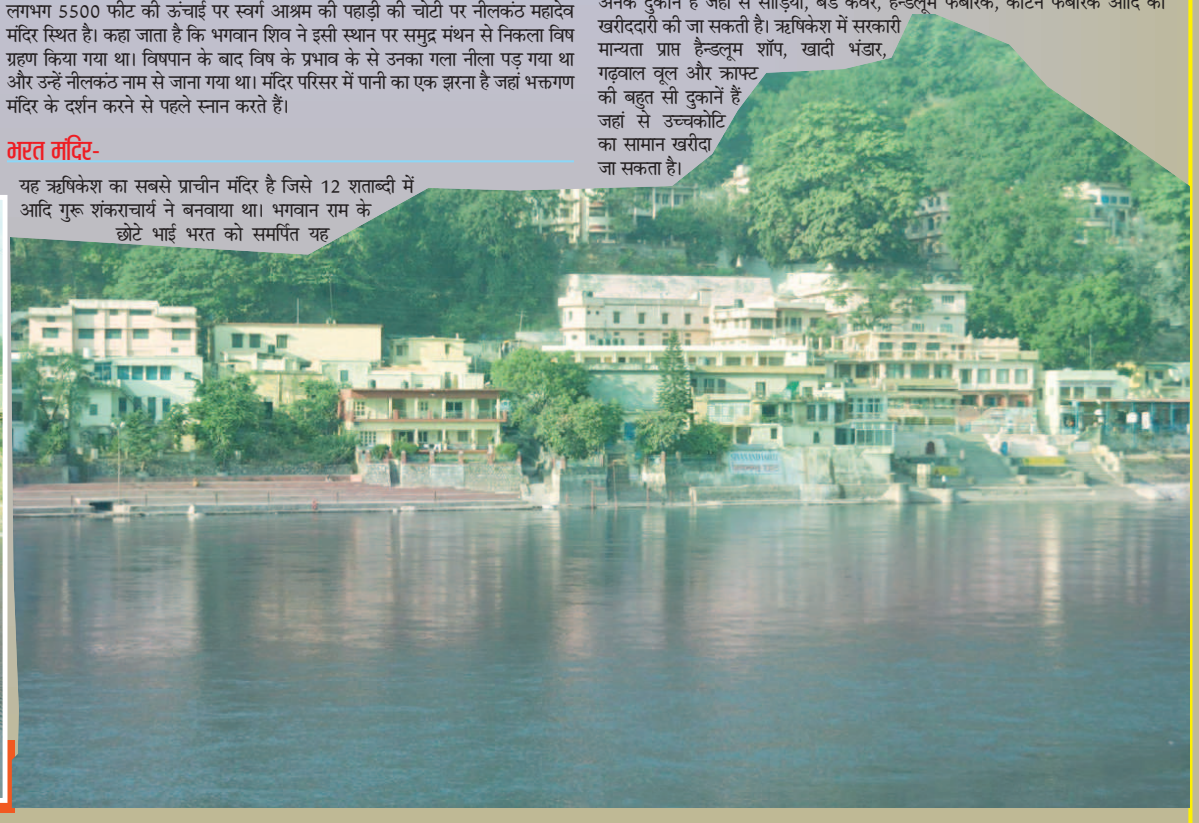

शेयर बाजार में भारी उछाल , सेंसेक्स और एनएसई हरे निशान पर बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में यह उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही भारी खरीददारी से आया है। सुबह से ही बाजार की बढ़त के साथ शुरुआत हुई जो समय के साथ और बेहतर होती गयी। कारोबार के दौरान सभी क्षेत्रों में तेजी दर्ज की गयी हालांकि ऑटो, फॉर्मा व उपभोक्ता क्षेत्र (एफएमसीजी) सहित अन्य क्षेत्रों पावर व धातु क्षेत्र का प्रदर्शन खराब रहा है। वहीं कारोबार के अंत में तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 616.62 अंक करीब 1.16 फीसदी की बढ़त के साथ ही 53,750.97 के स्तर पर बंद हुआ जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.95 अंक तकरीबन 1.13 फीसदी ऊपर आकर 15,989.80 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में ब्रिटानिया, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व और हिन्दुस्तान यूनिलीवर के शेयर लाभ में रहे जबकि ओएनजीसी, पावर ग्रिड हिंडाल्को, एनटीपीसी और एचडीएफसी लाइफ के शेयर गिरे हैं। इससे पहले गत दिवस बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। बुधवार को बाजार में तेजी का कारण एफएमसीजी कंपनियों के शेयरों में उछाला रहा। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड पाम तेल की वायदा कीमत में गिरावट को भी एक कारण माना जा रहा है। यह गिरावट इंडोनेशिया से पाम तेल का निर्यात दोबारा शुरू होने और वैश्विक खपत में कमी आने की रिपोर्ट के कारण आई है। घरेलू एफएमसीजी कंपनियों के लिए पाम तेल सबसे जरूरी उत् पाद माना जाता है। इसकी कीमतों में तेजी से गिरावट आने से इन कंपनियों की कमाई बढ़ने की उम्मीद से बाजार को बल मिला है।

बजाज हिंदुस्तान शुगर कंपनी दिवालिया होने की कगार पर

किसानों के सैकड़ों करोड़ रुपए डूबे

नई दिल्ली , भारत की सबसे बड़ी शक्कर फैक्ट्री बजाज हिंदुस्तान आर्थिक रूप से दिवालिया होने की कगार पर पहुंच गई है।इस शक्कर फैक्ट्री पर 4814 करोड रुपए का बैंको का लोन बकाया है। बैंकों ने कंपनी के लोन को एनपीए घोषित कर दिया है। वही गन्ना किसानों का भी करोड़ों रुपया इस कंपनी के ऊपर बकाया है। कंपनी ने लोन स्ट्रक्चरिंग करने का प्रस्ताव बैंकों को भेजा है। सूत्रों के अनुसार कंपनी दिवालिया होने की कगार पर है। बैंकों के अलावा किसानों की और अन्य देनदारी भी कंपनी पिछले कई वर्षों से चुका नहीं पा रही है।

सोने की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली । धरेलू बाजार में बुधवार को सोने की कीमतें बढ़ी हैं। वायदा बाजार में बुधवार को सोना 83 रुपये बढ़कर 51,385 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। वहीं मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में सोना 83 रुपये करीब 0.16 फीसदी ऊपर आकर 51,385 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया था। इसमें 10,240 लॉट के लिये कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों के अनुसार कारोबारियों के ताजा सौदों की खरीददारी से सोने की वायदा कीमतों में तेजी रही। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा जाये तो न्यूयार्क में सोना 0.22 फीसदी बढ़कर 1,767.70 रुपये प्रति औंस पहुंच गया।

मोबाइल कंपनी वीवो पर 45000 करोड़ की मनीलांड्रिंग ?

नई दिल्ली । चीन की मोबाइल निर्माता कंपनी वीवो पर मनी लांड्रिंग का शिकंजा कस गया है। ईडी को प्राप्त शिकायत के अनुसार लगभग 47000 की राशि कंपनी ने अवैध रूप से चीन को भेजी है। जिसमें बड़ी मात्रा में टैक्स चोरी की गई है। ईडी ने देशभर में कंपनी के विभिन्न कार्यालयों में छापे डालकर दस्तावेज और नगदी जप्त की है। अप्रैल माह में बेंगलुरु ऑफिस से ईडी ने बड़े पैमाने पर नगद राशि जप्त की थी। दस्तावेजों की जांच करने के बाद अब बड़े पैमाने पर कार्यवाही की जा रही है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार मनी लांड्रिंग का अभी तक का यह सबसे बड़ा मामला है।

स्काडा ने जून में 6,023 यूनिट्स की भारतीय बाजार में बिक्री की

नई दिल्ली । स्कोडा ऑटो इंडियाने जून 2022 में कुल 6,023 यूनिट्स की भारतीय बाजार में बिक्री की। जबकि, मार्च 2022 में कंपनी ने कुल 5,608 इकाइयों की बिक्री की थी। पिछले साल जून 2021 में स्कोडा के 734 यूनिट्स बिके थे। पिछले साल के मुकाबले कंपनी की बिक्री में 721 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। हालांकि, पिछले साल जून महीने में कोविड की दूसरी लहर के कारण देश भर में गाड़ियों की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई थी। स्कोडा के ब्रांड निदेशक जैक हॉलिस ने कहा` कि हमारे दोनों इंडिया 2.0 उत्पादों ने बेहद चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि में बाजार में प्रवेश किया है। एक वैश्विक महामारी, रुक-रुक कर लॉकडाउन, आर्थिक उथल-पुथल, भू-राजनीतिक अस्थिरता, और अब एक निरंतर अर्धचालक कमी आपूर्ति श्रृंखला को परेशान कर रही है। इसलिए, हम सभी स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए बिक्री के नए रिकॉर्ड तोड़ना और स्थापित करना जारी रखना एक अविश्वसनीय उपलब्धि है। यह हमारी सभी टीमों के चौतरफा काम का नतीजा है। जैक हॉलिस ने कहा कि हमारे डीलर पार्टनर भी बड़ी भूमिका निभा रहे हैं, जिन्होंने शानदार काम किया है।

खाने के तेल की कीमतों में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली । खाने के तेलों की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए अब सरकार की ओर से कवायद शुरू कर दी गई है। उम्मीद है कि सरकार के इस कवायद के बाद खाने का तेल सस्ता हो सकता है। इस संबंध में खाद्य सचिव ने बुधवार को खाद्य तेल कंपनियों और तेल आयातकों के साथ बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि सरकार इस बैठक में खाद्य तेल के कारोबार से जुड़ी कंपनियों को खाद्य तेलों की कीमतें घटाने के लिए कह सकती है। सरकार की ओर से इस बैठक में शामिल होने के लिए खाद्य तेलों के आयातक और उत्पादक दोनों की तरह की कंपनियों को कहा गया है। सूत्रों के अनुसार बुधवार को होने वाली बैठक में देश में खाद्य तेलों की कीमतों की समीक्षा की जाएगी। गौरतलब है कि हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाने के तेलों की कीमतों में अच्छी-खासी गिरावट देखने को मिली है। इसके बावजूद, देश में खाद्य तेलों की कीमतों में तेजी बनी हुई है। इसी को देखते हुए सरकार की ओर से पहल कर खाद्य तेल के आयतकों और उत्पादकों को बातचीत करने के लिए बुलाया गया है।

झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल टाटा मोटर्स के स्टॉक पर एक्सपर्ट बुलिश

मुंबई ।

शेयर बाजार के दिग्गज निवेशक राकेश झुनझुनवाला के पोर्टफोलियो में शामिल टाटा मोटर्स के स्टॉक पर एक्सपर्ट बुलिश हैं। टाटा मोटर्स ने जून 2022 में पैसेंजर वाहनों की रिकॉर्ड मासिक बिक्री की है। जून में टाटा मोटर्स ने 45,197 वाहनों की बिक्री हैं। मार्च के मुकाबले टाटा मोटर्स के शेयर अब 1.50 फीसदी डिस्काउंट पर हैं। वहीं इस अवधि में निफ्टी ऑटो इंडेक्स 16 फीसदी चढ़ा है। बाजार जानकारों को उम्मीद है कि टाटा मोटर्स की आय वर्ष 2022 की दूसरी छमाही में शानदार होगी। रिपोर्ट के अनुसार, सेबी रजिस्टर्ड जानकार का कहना है, कि निफ्टी ऑटो में मार्च से अब तक 16 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है, जबकि टाटा मोटर्स के शेयर इस दौरान 1.5 प्रतिशत नीचे आ गए हैं। मौजूदा वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में कंपनी के बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। जानकार का कहना है कि सेमीकंडक्टर की सप्लाई बेहतर होने से टाटा मोटर्स के शेयर में तेजी देखने को मिल सकती है। टाटा मोटर्स के शेयर बुधवार को 0.87 फीसदी की तेजी के साथ दिन में तीन बजे 415.60 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहा था।पिछले पांच कारोबारी सत्रों में इस शेयर में 1.89 फीसदी की तेजी आ चुकी है। वहीं एक महीने में यह शेयर 4.65 फीसदी गिर चुका है। पिछले छह महीनों में इस शेयर में करीब 15 फीसदी गिर चुका है। एक साल में यह शेयर अपने निवेशकों को 31 फीसदी रिटर्न दे चुका है। एक अन्य जानकार का कहना हैं, कि इलेक्ट्रिक वाहनों के मामले में टाटा मोटर्स को दूसरी कंपनियों के मुकाबले बढ़त हासिल है। कंपनी के मैनेजमेंट में बदलाव के बाद से ही कंपनी का पूरी तरह मेकओवर हो गया है। यही नहीं कंपनी अब मार्केट हिस्सेदारी में भी बढ़ोतरी करती नजर आ रही है। ग्राहकों की सुरक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता का फायदा भी कंपनी को हो रहा है।

मांग से अधिक आपूर्ति की चिंता, अंतरराष्ट्रीय बाजार में फिर बढ़ी कच्चे तेल की कीमतें

नई दिल्ली ।

मंदी और घटती मांग की चिंताओं के बीच बुधवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में बढ़ोतरी देखी गई है। मंगलवार को गिरावट के बाद अंतरारष्ट्रीय वायदा बाजार में कच्चे तेल का दाम बुधवार को लगभग 3 फीसदी चढ़ गया। पिछले सत्र में भारी गिरावट के बाद होने वाली इस वृद्धि को अप्रत्याशित माना जा रहा है। दरअसल, मंदी के बारे में चिंताओं के बीच एक नई चिंता ने जन्म लिया है और वह तेल की आपूर्ति का। रूस-यूक्रेन युद्ध से लंबा खिंचने से इन चिंताओं को खारिज भी नहीं किया जा सकता। वहीं नॉर्वे ने भी अपने उत्पादन में कटौती की घोषणा की है। कच्चे तेल के दाम में मार्च के बाद मंगलवार को 9.5 फीसदी की सबसे बड़ी गिरावट के बाद बुधवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड का वायदा तकरीबन 3 डॉलर या 2.9 फीसद बढ़कर 105.85 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इसके पहले यह 103.69 डॉलर प्रति बैरल पर था। वहीं अप्रैल के अंत के बाद पहली बार यूएस वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 2.46 डॉलर या 2.4 फीसदी ऊपर जाकर 101.95 डॉलर प्रति बैरल हो गया। मीडया रिपोर्ट्स के अनुसार, क्रूड ऑयल मार्केट के विश्लेषक इसे 'रीसेट' की स्थिति मान रहे हैं। उनका कहना है कि यहां से बाजार के ऊपर जाने की संभावना अधिक है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कच्चे तेल के व्यापार में शामिल खिलाड़ी अपने नुकसान के 'शॉर्ट कवरिंग' और नए सौदों के लिए तेजी से आगे आ रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि कच्चे तेल के बाजार में बिकवाली का दौर अब जल्द ही खत्म हो सकता है। ओपेक के महासचिव मोहम्मद बरकिंडो ने कहा कि कई सालों से कम निवेश के कारण तेल उद्योग गहरे संकट में है और अगर ईरान और वेनेजुएला से अतिरिक्त आपूर्ति की अनुमति दी गई तो नुकसान को कम किया जा सकता है। उधर रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने यह भी चेतावनी दी कि जापान के एक कथित प्रस्ताव से रूसी तेल की कीमत मौजूदा स्तर से लगभग आधी हो जाएगी, जिससे बाजार में तेल काफी कम हो जाएगा और कीमतें 300-400 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर हो जाएंगी। नॉर्वे द्वारा तेल उत्पादन में कटौती की घोषणा के चलते भी कच्चे तेल की

कीमतों में उछाल आ रहा है।

भारत की पेट्रोल और डीजल की बिक्री जून में फसल के मौसम की शुरुआत, गर्मी और अन्य आर्थिक गतिविधियों के कारण बढ़ी। जून में डीजल की बिक्री 35.2 प्रतिशत बढ़कर 7.38 मिलियन टन हो गई। मई के दौरान डीजल की खपत 6.7 मिलियन टन थी। फिलहाल तो सरकार पर महंगाई और मुद्रास्फीति को काबू में रखने का दबाव है, इसलिए निकट भविष्य में डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ने की गुंजाइश कम ही है। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के बेतहाशा दामों में वृद्धि होती है, तो तेल कंपनियों को होने वाला नुकसान भी बढ़ता जाएगा। ऐसे में घरेलू बाजार में कीमत बढ़ने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

निर्यात बढ़ाने किसानों को धान, गेहूं बुवाई बढ़ाने प्रोत्साहित करें राज्यः गोयल

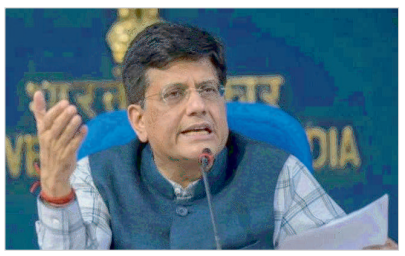

नई दिल्ली ।

केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल ने राज्यों से कहा कि वे किसानों को धान और गेहूं के लिए बुवाई का रकबा बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करें, क्योंकि घरेलू उत्पादन बढ़ने से देश का निर्यात भी बढ़ेगा। भारत में खाद्य और पोषण सुरक्षा पर राज्यों के खाद्य मंत्रियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने राज्य सरकारों से कहा कि वे पुराने खातों के त्वरित निपटान के लिए 2019-20 तक के वित्त वर्षों के लिए अपने लंबित खाद्य सब्सिडी दावों को जल्द से जल्द जमा कराएं। गोयल ने राज्य सरकारों से कहा कि पुराने खाद्य सब्सिडी दावों को निपटाने के लिए केंद्र के पास धन की कोई कमी नहीं है लेकिन देरी इसलिए हुई क्योंकि राज्य उचित दस्तावेजों के साथ अपने दावे दाखिल नहीं कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने सभी राज्यों से 15 अगस्त तक सभी सहायक कागजात और ऑडिट रिपोर्ट के साथ अपने दावे प्रस्तुत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त तक दावा दायर करने वाले राज्यों को 15 अक्टूबर तक उनका बकाया मिल जाएगा। हालांकि अगर 30 सितंबर तक कागजात दाखिल किए जाते हैं, तो बिना किसी ब्याज के जनवरी, 2023 तक दावों का निपटारा किया जाएगा। अक्सर राज्य यह कहते हुए हमारे पास आते हैं कि हमारे पास पुराने लंबित सब्सिडी दावे हैं। बहुत बार सब्सिडी के दावे इसलिए नहीं लंबित रहते हैं क्योंकि धन उपलब्ध नहीं है, बल्कि ऐसा इसलिए होता है क्योंकि उनके द्वारा जरूरी आंकड़े नहीं दिए जाते और वे जरूरी ऑडिट नहीं करा पाते हैं। उन्होंने कहा कि हम वर्ष 2019-20 तक सभी का बकाया चुकाने के लिए तैयार हैं।

30 अक्टूबर तक सौ फीसदी परिचालन शुरू हो जाएगाः सिंगापुर एयरलाइंस

सिंगापुर। सिंगापुर एयरलाइन्स (एसआईए) ने घोषणा की है कि वह 30 अक्टूबर तक भारत के लिए महामारी से पहले के स्तर तक का परिचालन शुरू कर देगी। कंपनी ने कहा कि हवाई यात्रा की मांग बढ़ने के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। कंपनी ने कहा कि चेन्नई तक सप्ताह में 17 उड़ानों का परिचालन धीरे-धीरे शुरू किया जाएगा जो अभी प्रति सप्ताह 10 उड़ान है। इस तरह कोच्चि के लिए अभी हर सप्ताह सात उड़ानें हैं जिन्हें बढ़ाकर 14 किया जाएगा, बेंगलुरु के लिए उड़ानें मौजूदा सात से बढ़ाकर 16 की जाएंगी। एसआईए ने कहा कि 30 अक्टूबर 2022 तक कंपनी भारत के लिए कोविड से पहले की अपनी लगभग 100 फीसदी क्षमता के साथ परिचालन करने लगेगी। सिंगापुर एयरलाइन्स में एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत आवागमन के लिए मांग बढ़ी है जो इस महत्वपूर्ण बाजार में हमारी सेवाएं बढ़ाने के लिहाज से अनुकूल है। महामारी से पहले तक भारत के सात गंतव्यों तक एयरलाइन हर सप्ताह कुल 96 उड़ानों का संचालन करती थी।

भारत में 2014 के बाद अचानक देखी गई चीनी मूल की कई फर्जी कंपनियों की सक्रियता

मनी लॉन्ड्रिंग के विरुद्ध ईडी की जांच में सामने आई जानकारी

नई दिल्ली ।

चीनी मोबाइल कंपनी वीवो सहित कई चाइनीज कंपनियों से जुड़ी जांच के दौरान जानकारी मिली है कि भारत में 2014 के बाद चीनी मूल की कई फर्जी कंपनी अचानक एक्टिव हुई हैं। कंपनी का निदेशक और फर्जीवाड़े को अंजाम देने वाला आरोपी चीन का मूल नागरिक है। आरोपी निदेशक से संबंधित तफ्तीश शुरू की गई है।

ईडी की शुरुआती तफ्तीश के मुताबिक मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला करीब 1,000 करोड़ से ज्यादा का हो सकता है। बता दें कि बीते मंगलवार को ईडी द्वारा 22 राज्यों की 44 लोकेशन पर छापेमारी की गई थी। आज भी उसी 44 लोकेशन पर ईडी की छापेमारी चल रही है। हिमाचल के सोलन इलाके में चाइनीज कंपनियों का एक कॉरपोरेट दफ्तर बनाया गया था। ईडी के रडार पर जीपीआईसीपीएल नाम की कंपनी है। इस कंपनी द्वारा फर्जी दस्तावेजों के सहारे कई कॉरपोरेट दफ्तर बनाए गए। फर्जी दस्तावेजों के सहारे कंपनी का निदेशक बना। प्रवर्तन निदेशालय को शक है कि यह कथित जालसाजी शेल या फर्जी कंपनियों का इस्तेमाल करके अवैध रूप से कमाए गए धन की हेराफेरी करने के लिए की गई थी। इसमें से कुछ आपराधिक आय को विदेश भेजा गया या भारतीय कर और प्रवर्तन एजेंसियों को धोखा देकर कुछ अन्य व्यवसायों में लगा दिया गया। इस कार्रवाई को चीनी संस्थाओं और उनसे जुड़े भारतीय पक्षों के खिलाफ केंद्र सरकार की कार्रवाई के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है। आरोप है कि ये कंपनियां यहां काम करते हुए धन शोधन और कर चोरी जैसे गंभीर वित्तीय अपराधों में लिप्त हैं। ईडी ने गत 29 अप्रैल को शाओमी इंडिया के बैंक खातों को जब्त करते हुए उनमें जमा 5,551 करोड़ रुपए की निकासी पर रोक लगा दी थी। यह कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप में की गई थी। वीवो इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि हम अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

रुपये 79.30 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया बुधवार को तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 79.30 प्रति डॉलर के भाव पर पहुंचा। रुपया अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में 79.29 के भाव पर खुला था पर बाद में उसमें उतार-चढ़ाव देखा गया और यह 79.24 के ऊंचे स्तर और 79.37 के निचले स्तर पर भी पहुंच गया। वहीं कारोबार के अंत में रुपया 79.30 रुपये प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ यह तीन पैसे की बढ़त को दिखाता है जबकि पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 79.33 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। बाजार जानकारों के अनुसार घरेलू शेयर बाजारों के सकारात्मक रुख और कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट से रुपये को मजबूती मिली। इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी से भी रुपये को बल मिला है।'' डॉलर के मजबूत बने रहने और वैश्विक निवेश खतरे को लेकर धारणा कमजोर होने से भी निवेशकों को मजबूती मिली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चा तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा मंगलवार को 10 फीसदी तक गिर गया था हालांकि डॉलर के मजबूत बने रहने से रुपया अपनी सुधरी स्थिति को देर तक बरकरार नहीं रख पाया। दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.18 फीसदी बढ़कर 106.72 अंक पर पहुंच गया।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बेचने के मामले में ओकिनावा पहले नंबर पर

नई दिल्ली ।

भारत में इलेक्ट्रिक टू व्हीलर्स की की` बिक्री 9.89 फीसदी बढ़ गई है। देश की 8 टॉप इलेक्ट्रिक व्हीकल निर्माता कंपनियों ने कुल 38,693 यूनिट्स सेल कीं। ये आंकड़े जून 2022 के है. वहीं, मई 2022 में कुल 35,212 यूनिट्स बिकी थीं। भारत में इलेक्ट्रिक टू व्हीलर सेगमेंट धीरे धीरे आगे बढ़ रहा है और ग्राहक परंपरागत दोपहिया वाहनों की जगह इलेक्ट्रिक वाहनों का भी रुख कर रहे हैं। सबसे ज्यादा इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन बेचने के मामले में ओकिनावा पहले नंबर पर रहा. कंपनी ने जून में 6,976 यूनिट्स सेल कीं। हालांकि मई के मुकाबले कंपनी की` बिक्री में 21.51 फीसदी गिरावट देखने को मिली। दूसरे नंबर पर एमप्री रही जिसकी 6,534 यूनिट्स` बिकी। मई के मुकाबले कंपनी ने 1,005 यूनिट्स ज्यादा` बिक्री की। मई 2022 में एंपियर की 5,529 यूनिट्स सेल हुई थी। हीरो इले` क्ट्रिक` ब्रिकी के मामले में तीसरे नंबर पर रही। हीरो इलेक्ट्रिक ने जून 2022 में 6,486 यूनिट्स सेल की. मई में हीरो की सिर्फ 2,739 यूनिट्स ही सेल हुई थीं. ओला 5,689 यूनिट्स के साथ चौथे नंबर पर खिसक गई। जून में ओला की सिर्फ 5,698 यूनिट्स सेल हुई। ओला की सेल में 34.47 फीसदी की गिरावट देखी गई। पांचवें नंबर पर टीवीएस आईक्यूब (होलसेल) रही। कंपनी ने 4,667 यूनिट्स जून 2022 में सेल बेची। मई में कंपनी ने 2,637 यूनिट्स बेची थीं। जून में सेल 76.98 फीसदी ग्रोथ दर्ज की गई। छठे नंबर पर 3,797 यूनिट्स के साथ अथर एनर्जी रही। अथर की` बिक्री में मई के मुकाबले 22.56 फीसदी सेल देखी गई। रिवॉल्ट ने 2,419 यूनिट्स सेल करके 7वें नंबर पर रही. रिवॉल्ट ने भी पॉजिटिव सेल दर्ज की और मई के मुकाबले 52 फीसदी ज्यादा यूनिट्स सेल की।

भारत में लांच हुआ ब्लॉपंक्त बीई 100 नेकबैंड, 100 घंटे चलेगी बैटरी

मुंबई ।

ब्लॉपंक्त ने भारत में ब्लॉपंक्त बीई 100 नेकबैंड लांच किया है। यह डिवाइस एक बार चार्ज करने पर लगभग 100 घंटे का टॉकटाइम देने का वादा करता है। इसके अलावा, इसमें नेकबैंड पर बैटरी डिस्प्ले के साथ-साथ सिंगल माइक पर बिल्ट-इन एनवायरनमेंटल नॉइज कैंसलेशन दिया गया है। नेकबैंड दो कलर ऑप्शन में आता हैं, इस अमेजन के माध्यम से खरीदा जा सकता है। जर्मन कंपनी के इयरफोन में रियल टाइम मॉनिटरिंग के साथ एलसीडी बैटरी इंडिकेटर, कॉल वाइब्रेशन अलर्ट और इन-लाइन कंट्रोल जैसे अन्य फीचर मिलते हैं। कंपनी का दावा है कि ये केवल 10 मिनट की चार्जिंग पर 10 घंटे की बैटरी लाइफ प्रदान करता है। नेकबैंड इयरफोन में कई इन-लाइन कंट्रोल हैं, जिनमें कॉल का जवाब देने, समाप्त करने या रिसीव करने के साथ-साथ गाने स्विच करने का ऑप्शन भी शामिल है। ब्लॉपंक्त बीई 100 में एक वाइब्रेशन कॉल अलर्ट फीचर दिया गया है, जो फोन साइलेंट होने या ईयरबड्स प्लग इन नहीं होने पर भी काम करता है, ताकि आप कोई कॉल मिस न करें, बीई 100 एक इन-ईयर डिजाइन को सपोर्ट करता है और एक बेहतर ऑडियो एक्सपीरियंस के लिए 10 एमएम ड्राइवर, हाई-डेफिनिशन साउंड और नॉइज आइसोलेशन तकनीक के साथ आता है। नेकबैंड टर्बोवोल्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ 600एमएएच की बैटरी द्वारा संचालित होता है, जो सिर्फ 10 मिनट के चार्ज के साथ 10 घंटे के प्लेबैक का वादा करता है। इसके अतिरिक्त, ब्लॉपंक्त बीई 100 पर बैटरी के स्टेटस को रियल टाइम में नेकबैंड पर एलसीडी बैटरी इंडिकेटर से मॉनिटर किया जा सकता है। नेकबैंड स्प्लैशप्रूफ है और इस एक स्टेंडर्ड टाइप सी पोर्ट के माध्यम से चार्ज किया जा सकता है। चूंकि ब्लॉपंक्त बीई 100 स्वेट-रेसिस्टेंट और स्प्लैशप्रूफ हैं आप उन्हें आसानी से जिम में पहन सकते हैं, लेकिन आप उन्हें बारिश में नहीं पहन सकते. ब्लॉपंक्त बीई 100 पर वॉयस कंट्रोल भी उपलब्ध है, जिससे यूजर्स गूगल असिस्टेंट जैसे वॉयस असिस्टेंट को खींच सकते हैं।

भारत-इंग्लैंड पहला टी20 आज

साउथप्टन (एजेंसी)।

रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में जीत से शुरुआत करने उतरेगी। भारतीय टीम का लक्ष्य इस सीरीज को जीतकर एजबेस्टन टेस्ट की हार से उबरना भी रहेगा। रोहित कोरोना संक्रमण के कारण टेस्ट मैच में नहीं खेले थे , उनकी जगह जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट टीम की कप्तानी की थी। ऐसे में अब उनका लक्ष्य जीत से वापसी रहेगा। सीरीज का पहला मुकाबला यहां रोस बाउल स्टेडियम में होगा।

भारतीय टीम के बल्लेबाज और गेंदबाज एजबेस्टन टेस्ट में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। ऐसे में अब अगर भारतीय टीम को टी20 सीरीज जीतनी है तो उसके खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज बुमराह और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को पहले टी20 मैच के लिए आराम दिया गया है। अब ईशान किशन या ऋतुराज गायकवाड़ में से किसी एक को रोहित के साथ पारी की शुरुआत का अवसर मिलेगा। बल्लेबाज संजू सैमसन भी टी20 टीम में शामिल हैं। दिनेश कार्तिक इस मैच में विकेटकीपिंग करेंगे क्योंकि ऋषभ पंत को भी इस मैच के लिए आराम दिया गया है। युवा उमरान मलिक, अर्शदीप सिंह, आवेश खान, हर्षल पटेल को इस मैच में जगह मिल सकती है।

वहीं दूसरी ओर टेस्ट मैच में जीत से इंग्लैंड के हौंसले बुलंद हैं और वह इस सीलसिले को बरकरार रखना चाहेगी। टीम को बल्लेबाजों और गेंदबाजों के लय में होने का भी लाभ मिलेगा।

पहले टी20 के लिए भारतीय टीमः रोहित शर्मा (कप्तान), ईशान किशन, ऋतुराज गायकवाड़, संजू सैमसन, सूर्यकुमार यादव, दीपक हुडा, राहुल त्रिपाठी, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, वेंकटेश अय्यर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रवि बिश्नोई , भुवनेश्वर कुमार, हर्षल पटेल, आवेश खान, अर्शदीप सिंह और उमरान मलिक ।

मलेशिया मास्टर्स : सिंधू, प्रणीत और कश्यप दूसरे दौर में पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने बुधवार को यहां मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर के कड़े मुकाबले में चीन की ही बिंग जियाओ को हराकर महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सातवीं वरीय सिंधू ने लगभग एक घंटा चले मुकाबले में बिंग जियाओ को 21-13 17-21 21-15 से हराया। इस जीत के साथ दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी सिंधू ने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट के पहले दौर में बिंग जियाओ के खिलाफ पहले दौर में सीधे गेम में मिली हार का बदला चुकता कर दिया। चीन की खिलाड़ी का हालांकि अब भी सिंधू के खिलाफ जीत-हार का रिकॉर्ड 10-9 है।

पुरुष एकल में बी साई प्रणीत और पारूपल्ली कश्यप भी विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करने दूसरे दौर में जगह बनोन में सफल रहे। प्रणीत ने एकतरफा मुकाबले में आधे घंटे से कम समय में गुआटेमाला के केविन कोर्डन को 21-8 21-9 से हराया जबकि कश्यप ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्थानीय दावेदार टॉमी सुगियार्तो को 16-21 21-16 21-16 से शिकस्त दी। समीर वर्मा को हालांकि कड़े मुकाबले में चीनी ताइपे के चौथे वरीय चाउ टिएन चेन के खिलाफ 21-10 12-21 14-21 से हार झेलनी पड़ी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में धवन करेंगे भारतीय टीम की कप्तानी

मुंबई (एजेंसी)।

सलामी बल्लेबाज शिखर धवन की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसय श्रृंखला में उतरेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने 22 जुलाई से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरु हो रही तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए 16 सदस्यीय भारतीय टीम घोषणा कर दी है। इस श्रृंखला के लिए रवीन्द्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है।

चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बड़े खिलाड़ियों को आराम देते हुए युवा खिलाड़ियों का अवसर दिया है। विराट कोहली, रोहित शर्मा, लोकेश राहुल, जसप्रीत बुमराह और ऋषभ पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में नहीं रहेंगे। इस टीम में स्पिन गेंदबाज के तौर पर युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल को रखा गया है। तेज गेंदबाजी की कमान अवेश खान, मोहम्मद

सिराज और अर्शदीप सिंह के पास रहेगी। तीन मैचों की एकदिवसीय क्रीस पार्क ओवल में खेली जाएगी।

एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार हैं:

शिखर धवन (कप्तान), रवींद्र जडेजा (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, अवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह।

तीसरे एकदिवसीय को जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम करने उतरेगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम

पालेकल (एजेंसी)।

पहले दोनो मैचों में जीत से उत्साहित भारतीय महिला क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबले को भी जीतकर सीरीज को 3-0 से अपने नाम करने उतरेगी।

भारतीय टीम ने इससे पहले टी20 श्रृंखला भी 2-1 से जीती थी। भारतीय टीम ने जिस प्रकार दूसरे एकदिवसीय में दस विकेट से जीत हासिल की है। उसको देखते हुए वह तीसरे मुकाबले में भी जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। दूसरे मैच में भारतीय टीम ने गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनो में मेजबान श्रीलंकाई टीम को कोई अवसर नहीं दिया था।

भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर अभी शानदार फार्म में हैं। दूसरे मैच में स्मृति मंधाना ने भी लय हासिल कर ली है। शेफाली वर्मा भी फार्म में आ गयी हैं। मंधाना और शेफाली ने दूसरे एकदिवसीय में नाबाद शतकीय साझेदारी कर भारतीय टीम को जीत दिलायी थी।

वहीं टीम की कप्तानी संभालने के बाद हरमनप्रीत का प्रदर्शन बेहतर हुआ है। जिससे टीम को जीत दर्ज करने में आसानी हुई है। भारत की ओर से दूसरे एकदिवसीय में युवा तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ने शानदार प्रदर्शन कर श्रीलंकाई टीम को कोई अवसर नहीं दिया था। रेणुका ने 28 रन देकर चार विकेट लिए थे।

रेणुका के प्रदर्शन का भारतीय टीम की जीत में अहम योगदान रहा। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम इस मैच में जीत के साथ ही सीरीज का समापन करना चाहेगी हालांकि यह इतना आसान नहीं है। कप्तानी चामरी अटापट्टू के अलावा अन्य खिलाड़ी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। जहां तक गेंदबाजी की बात है तो टीम के पास इनोका रणवीरा और ओशादी रणसिंघे जैसे स्पिनर हैं। ये दोनो ही इस मैच में भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के इरादे से उतरेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, यस्तिका भाटिया, एस मेघना, दीप्ति शर्मा, पूनम यादव, राजेश्वरी गायकवाड़, सिमरन बहादुर, ऋचा घोष, पूजा वस्त्रकार, मेघना सिंह, रेणुका सिंह, तानिया भाटिया और हरलीन देओल।

श्रीलंकाः चामरी अटापट्टू (कप्तान), निलाक्षी डी सिल्वा, कविशा दिलहारी, विशमी गुणरत्ने, अमा कंचना, हंसिमा करुणारत्ने, अचिनी कुलसुरिया, सुगंधिका कुमारी, हर्षिता समरविक्रम, हसिनी परेरा, उदेशिका प्रबोधनी, ओशादी रणसिंघे, इनोका रणवीरा, सत्य संदीपनी, अनुष्का संजीवनी, मालशा शेहानी, थारिका सेवंडी।

जोकोविच और तात्याना विम्बलडन के सेमीफाइनल में पहूंचे

लंदन । सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच विम्बलडन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। जोकोविच ने पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में यानिक सिनर के खिलाफ पहले दो सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 5-7, 2-6, 6-3, 6-2, 6-2 से जीत दर्ज कर अंतिम चार में जगह बनायी है। इसी के साथ ही शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जोकोविच अपने 7वें विम्बलडन खिताब की ओर बढ़े हैं। 20 ग्रैंड स्लैम खिताब विजेता इस सर्बियाई खिलाड़ी ने इस तरह ऑल इंग्लैंड क्लब में लगातार 26वीं जीत दर्ज की है। इस स्थल पर पांच सेट के अपने 11 मुकाबलों में उन्होंने 10 में जीत दर्ज की है। इससे पहले जोकोविच का साल 2006 में हार का सामना करना पड़ा था। जोकोविच की यह विम्बलडन में 84वीं जीत है, इसी के साथ ही उन्होंने दिगग्ज खिलाड़ी जिमी कोनर्स के रिकॉर्ड की भी बराबरी की है। अब केवल रोजर फेडरर ही जोकोविच से आगे हैं।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में विराट शीर्ष दस से बाहर हुए , ऋषभ ने लगायी लंबी छलांग

दुबई । भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष-10 में जगह नहीं मिली है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में कोहली चार पायदान फिसल कर 714 रेटिंग के साथ 13वें स्थान पर आ गए हैं। विराट इससे पहले 2,053 दिनों तक लगातार शीर्ष दस में बने रहे थे। विराट पिछले दो साल से खराब फार्म से परेशान हैं। इस दौरान वह एक भी शतक नहीं लगा पाये हैं। इस बल्लेबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट की दो पारियों में कुल मिलाकर केवल 31 रन ही बनाये थे।

वहीं एजबेस्टन टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी का लाभ भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को मिला है। ऋषभ ने इस मैच में 146 और 57 रन बनाये थे। इससे उन्होंने रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है और वह पांच पायदान ऊपर आकर 801 रेटिंग अंकों के साथ ही पांचवें स्थान पर आ गए हैं। दूसरी ओर कोरोना संक्रमण के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर रहे भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा को एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह नौंवे स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के जॉनी बेयरस्टो को मैच की दोनो पारियों में शतक लगाने का लाभ हुआ है और वह 11 पायदान की छलांग लगाकर 10 वें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि पूर्व कप्तान जो रुट 923 रैंकिंग के साथ शीर्ष टेस्ट बल्लेबाज बने हुए हैं। रुट ने एजबेस्टन टेस्ट में शतक लगाया था।

विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत का सुधार एमएस धोनी की तरह उल्लेखनीय है : मांजरेकर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने विकेटकीपर के रूप में ऋषभ पंत में सुधार के लिए उनकी सराहना की। मांजरेकर को लगता है कि 24 वर्षीय स्टंप के पीछे ज्यादा बात नहीं करते और काम को गंभीरता से लिया है। उन्होंने बर्मिंघम के एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के टेस्ट मैच के बाद अपने बल्लेबाजी प्रदर्शन के लिए पंत की प्रशंसा की।

यह पूछे जाने पर कि क्या बल्लेबाज पंत ने प्रभावित किया है? मांजरेकर ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है। उन्होंने खुद को एक संभावित महान के रूप में स्थापित किया है जिसे हम देख रहे हैं। पांच शतक और घर पर सिर्फ एक और घर से दूर अविश्वसनीय है। लेकिन मैं सिर्फ उनकी कीपिंग के बारे में बात करना चाहता हूं, उनकी बल्लेबाजी के बारे में बहुत कुछ बोला गया है। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, मुझे बस इतना पसंद है कि उसने उस (विकेटकीपिंग) काम को कितनी गंभीरता से लिया है। क्योंकि, बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने के बाद आप कभी-कभी आराम कर सकते हैं। मैं एक विकेटकीपर के रूप में उनकी क्षमता को लेकर थोड़ा संशय में था, खासकर इस तरह की परिस्थितियों में। भारत के लिए बड़ी खबर पंत विकेटकीपर का विकास है।

उन्होंने कहा, आप उसे स्टंप के आसपास ज्यादा बकबक करते नहीं देखते। उन्होंने काम को बहुत गंभीरता से लिया है, और धोनी की तरह ही उनका सुधार भी उल्लेखनीय रहा है। एक कीपर के रूप में उन्होंने कैसे सुधार किया। मुझे उनकी प्रतिबद्धता पसंद आई क्योंकि आप एक बल्लेबाज के रूप में इतने सफल होते हुए भी इस काम को थोड़ा आसान कर सकते हैं। यह आश्चर्यजनक रूप से शानदार है।

ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पुनर्निर्धारित पांचवें टेस्ट मैच में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों में से एक थे उन्होंने

दो पारियों में शानदार बल्लेबाजी की। पहली पारी में शतक और दूसरी पारी में अर्धशतक बनाते हुए कुल 203 रन बनाए। हालांकि इंग्लैंड ने 378 के लक्ष्य का पीछा करते हुए जॉनी बेयरस्टो और जो रूट की शतकीय पारियों की बदौलत जीत दर्ज करते हुए सीरीज 2-2 से बराबर की।

ओन्स जेब्युर ने विंबलडन में भी रचा इतिहास, ऐसा करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बनी

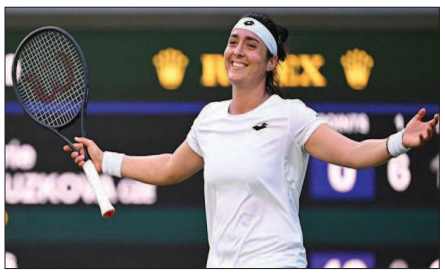

विंबलडन। अपने नाम के आगे 'पहली बार' कई कारनामे करने की उपलब्धि दर्ज कराने वाली ट्यूनीशिया की ओन्स जेब्युर विंबलडन के अंतिम चार में जगह बनाकर किसी ग्रैंडस्लैम टेनिस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल में पहुंचने वाली अरब देशों की पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। पिछले साल विंबलडन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली ट्यूनीशिया की तीसरी वरीय खिलाड़ी ने मंगलवार को एक कदम आगे बढ़ते हुए सेंटर कोर्ट पर मैरी बोजकोवा को 3-6, 6-1, 6-1 हराया। दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी जेब्यूर ने कहा, 'यह काफी मायने रखता है। मैं लंबे समय से उम्मीद कर रही थी कि मैं यहां पहुंच पाऊंगी। मैं (मोरक्को के पूर्व खिलाड़ी) हिचाम अराजी से बात करती थी और वह मुझे कहते थे कि अरब देशों के खिलाड़ी हमेशा क्वार्टर फाइनल में हार जाते हैं और हम इससे आजिज आ चुके हैं। कृपया करके इस क्रम को तोड़ो। मैंने कहा कि मित्र मैं ऐसा करने का प्रयास करूंगी।' जेब्यूर ने प्रयास किया और वह ऐसा करने में सफल रही। सेमीफाइनल में जेब्यूर का सामना उनकी तरह ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहली बार जगह बनाने वाली जर्मनी की तात्याना मारिया से होगा। जर्मनी की 34 साल की खिलाड़ी ने अपने बच्चों के जन्म के कारण दो बार टेनिस से ब्रेक लिया और ओपन युग में पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम चार में जगह बनाने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनी। मारिया ने 35वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट में हिस्सा लेते हुए 22 साल की ज्यूल नीमियर को 4-6, 6-2, 7-5 से हराया।

मोईन अली की क्रिकेट में वापसी, तीन साल के करार पर वारविकशायर टीम में लौटे

लंदन (एजेंसी)।

इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी मोईन अली ने बुधवार को पुष्टि की है कि वह तीन साल के करार पर वारविकशायर की होम काउंटी लौटने के लिए वॉर्सेस्टरशायर छोड़ रहे हैं। मोईन ने कहा, मैं इतने लंबे समय के बाद वोरस्टरशायर छोड़ने के लिए दुखी हूं और इसके हर मिनट से प्यार करता हूं। मैंने कुछ अद्भुत लोगों के साथ खेला है और मुझे वापस लाने के लिए क्लब का बहुत-बहुत धन्यवाद है। यहां और मुझे प्रदर्शन करने के लिए मंच दे रहे हैं। वारविकशायर में शामिल होने पर मोईन ने कहा, मैं एजबेस्टन में घर लौटने के लिए खुश हूं। मैं स्टेडियम से कुछ ही मील दूर पैदा हुआ था, मेरा जीवन हमेशा बर्मिंघम के आसपास केंद्रित था। जब खुद को अवसर प्रस्तुत किया तो यह एक निर्णय था। मैं मना नहीं कर सका और मेरा मानना है कि बियर्स में मेरा काम अधूरा है।

महिला हॉकी विश्व कप: न्यूजीलैंड को हराकर सीधे क्वार्टर फाइनल में प्रवेश करना चाहेगा भारत

एसटेलवीन (एजेंसी)।

अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन करने में नाकाम रही भारतीय महिला हॉकी टीम को अगर एफआईएच विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश करना है तो गुरुवार को यहां न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने अंतिम पूल बी मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। पिछले साल तोक्यो ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए एतिहासिक चौथा स्थान हासिल करने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम ने अपने पहले दो मैचों में तोक्यो खेलों के कांस्य पदक विजेता इंग्लैंड और चीन से 1-1 से ड्रॉ खेला।

सविता की अगुआई वाली भारतीय टीम अभी दो अंक के साथ पूल बी में तीसरे स्थान पर है। चीन और न्यूजीलैंड उससे ऊपर हैं। न्यूजीलैंड ने मंगलवार को इंग्लैंड को 3-1 से हराया। टूर्नामेंट के प्रारूप के अनुसार 16 टीम को चार-चार टीम के चार पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल की शीर्ष टीम सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी जबकि दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम के बीच क्रॉसओवर होगा।

क्रॉसओवर में पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम पूल डी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी जबकि पूल ए में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम की भिड़ंत पूल डी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगी। इसी तरह पूल बी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम का सामना पूल सी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम से होगा जबकि पूल बी में तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम पूल सी में दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम से खेलेगी। इन चारों मुकाबले के विजेता क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगे।

पूल बी में शीर्ष पर रहने के लिए भारत को न्यूजीलैंड को हराना होगा और साथ ही उम्मीद करनी होगी कि इंग्लैंड के खिलाफ चीन की टीम जीत दर्ज नहीं कर पाए। पहले दो मैच में अगर भारत के प्रदर्शन को आधार माना जाए जो टीम के लिए न्यूजीलैंड को हराना आसान नहीं होगा। भारतीय डिफेंस ने दोनों मैच में प्रभावित किया। पहले मैच में तो इंग्लैंड की टीम एक भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल नहीं कर पाई लेकिन दोनों ही मुकाबलों में अग्रिम पंक्ति और मिडफील्ड ने निराश किया।

भारत के लिए दोनों गोल करने वाली वंदना कटारिया के अलावा कोई अन्य स्ट्राइकर अब तक उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई है। लालरेमसियामी, शर्मिला देवी और नवनीत कौर ने निराश किया है। भारत ने मौके तो बनाए हैं लेकिन उन्हें गोल में बदलने में टीम नाकाम रही है। मिडफील्ड को भी अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। मुख्य कोच यानेक शॉपमैन के लिए पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में नाकामी भी बड़ी समस्या है। दो मैच में भारतीय टीम 12 पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल ही कर सकी है और दोनों गोल वंदना ने रिबाउंड और डिफलेक्शन से किए।

ड्रैगफ्लिकर गुरजीत कौर को अपने कौशल को निखारने की जरूरत है और अगर भारत को टूर्नामेंट में आगे बढ़ना है तो

पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करने के प्रतिशत में सुधार करना होगा। रैंकिंग पर नजर डालें तो दोनों टीम के बीच अधिक अंतर नजर नहीं आता। न्यूजीलैंड दुनिया की आठवें जबकि भारत नौवें नंबर की टीम है। इंग्लैंड के खिलाफ जीत के बाद न्यूजीलैंड की टीम हालांकि आत्मविश्वास से भरी होगी। गुरुवार को इन दोनों टीम से पहले चीन और इंग्लैंड के बीच मुकाबला होगा जिससे इन्हें पता रहेगा कि सीधे क्वालीफाई करने के लिए उन्हें क्या करना है।

सिटी ऑफ गेहोन शतरंज - भारत के गुकेश इतिहास रचने के करीब

बार्सिलोना , स्पेन। शतरंज ओलंपियाड शुरू होने के पहले भारत के लिए अच्छी खबर आ रही है । भारत के 16 वर्षीय ग्रांड मास्टर डी गुकेश अपने खेल जीवन का एक नया मुकाम हासिल करने के बेहद करीब पहुँच गए है । स्पेन में सिटी ऑफ गेहोन टूर्नामेंट में 10 खिलाड़ियों के बीच चल रहे राउंड रॉबिन मुकाबलों में लगातार पाँच मुक़ाबले जीतकर ना सिर्फ एकल बढ़त बना ली है बल्कि 2700 रेटिंग पार करने के करीब पहुँच गए है , गुकेश ने अब तक मुक़ाबले में स्पेन के अलेक्स औटोन ,ब्राजील के अलेक्जेंडर फेयर , क्यूबा की यानीला फोरगस , अर्जेन्टीना के मार्केलो पानेलो और स्पेन के फर्नांडिज अलवारेज को पराजित करते हुए अपनी लाइव रेटिंग को 2693 पहुंचा दिया है और अब बचे हुए चार मुकाबलों में जीत हासिल करते हुए गुकेश शतरंज दुनिया में 2700 अंक छूने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय और दुनिया के दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएँगे , भारत में अब तक विश्वनाथन् आनंद , कृष्णन शशिकिरण ,पेंटाला हरीकृष्णा , विदित गुजराती और अधिबन भास्करन नें 2700 के आंकड़े को पार किया है ।

सूरत में तेज गति से चल रहे भ्रष्टाचार पर एक नजर....

जहां एक तरफ सूरत को विकास का मॉडल माना जाता है वहीं दूसरी तरफ सूरत भ्रष्टाचार का केंद्र बिंदु बन रहा है?

सूरत भूमि, सूरत। शहर के लिंबायत जोन में जब से आई.ए.एस अधिकारी को किसी जवाबदार बड़े नेता ने लाकर बिठाया है तब से लिंबायत के नगरों व सोसायटीओं में जो मार्जिंग व सी. ओ.पी की जगह थी उसमें धड़ल्ले से अवैध बांधकाम किया जा रहा है, जब तक जहां से मनपा की तिजोरी व नेताओं का जेब नहीं भर दिया जाता है तब तक उस बांधकाम को नोटिस देकर धमकी दी जाती है न मानने पर डिमोलिशन कर चार्ज भी वसूला जाता है । जब दोनों की जेब भर दी जाती है तब अवैध को वैधता का सर्टिफिकेट दे दिया जाता है वह भी मौखिक में, आज से वर्षों पहले जिस अवैध बांधकाम से लाखों रुपए की मांग करने में भाजपा की महिला पार्षद पकड़ी गई थी आज उसी जगह पर फिर से बांधकाम किया जा रहा है।

इस तरह से मनपा के कर्मचारी आंख पर पट्टी बांधकर बैठे हैं और सूरदास की भूमिका अदा कर रहे हैं उसी विस्तार के कई नगरों में बी.एम.सी के नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए कई सोसायटीओं में सी.ओ.पी व मार्जिंग की जगहों में अवैध बांधकाम किए गए हैं और चल रहे हैं लेकिन अधिकारी अज्ञान बनकर बैठे हैं । दबंग नेताओं का बांधकाम धारक के सर पर हाथ होने के कारण अधिकारी गुलाम बन बैठे हैं, इसी को कहते हैं हिटलर शाही यह प्रजातंत्र नहीं है हिटलर का राज्य है । इसलिए गुजरात को विकास का नहीं भ्रष्टाचार का मॉडल बोलना चाहिए?

क्या बिगड़ेगा इन भ्रष्टाचारी नेता तथा अधिकारी का, भोग तो जनता को देना है?

गरीब अनाथ बच्चों के पालन पोषण व विकास के लिए बना वात्सल्यधाम

सूरत भूमि।

सूरत शहर के अहम्दाबाद मुंबई हाईवे पर सूरत कामरेज चौकड़ी के पास खोलवाड़ गांव में दीनबंधु चैरिटेबल ट्रस्ट के हॉस्पिटल के पीछे वात्सल्यधाम के नाम से वसंतभाई गजेरा द्वारा गरीब अनाथ लोगों के सेवा सत्कार तथा ऐसे बच्चों के विकास व पालन पोषण हेतु वात्सल्यधाम का संचालन किया गया है। वात्सल्यधाम में ऐसे स्कूल की स्थापना किया गया है जिसमें 10000 बच्चों को शिक्षा दी जा सकती है। अभी तक की प्राप्त जानकारी के अनुसार स्कूल में लगभग 1000 बच्चों को संस्कार रहित शिक्षा दी जा रही है। स्कूल के डायरेक्टर संचालक वसंतभाई गजेरा की थोड़ी सी तबीयत बिगड़ जाने की खबर का स्कूल में जैसे पता चला वैसे ही स्कूल की देखरेख करने वाले मैनेजर भानु भाई ने स्कूल के बच्चों को हॉल में बिठाकर हारमोनियम झांझ तबला के साथ अच्छे स्वर में हनुमान जी की मूर्ति रखकर प्रतिमा के सामने 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया और हनुमान जी से यह मन्नत मांगी कि भगवान स्वरूप हमारे दादा को जल्दी से आराम हो जाए। बच्चों के अंदर ऐसा संस्कार देखकर यह एहसास हुआ कि यही गरीब बच्चों को अगर यह ठिकाना नहीं मिलता तो ऐसा संस्कार और ज्ञान नहीं हो पाता यह अपनी बेरोजगारी दूर करने के लिए कहीं चाय की दुकान पर गिलास धोते कहीं गैरेज में काम करते पकौड़ा तलते और हिंदू मुस्लिम के नाम पर जय श्री राम का नारा लगाते तथा मारपीट करते। सोचो दोनों कार्यों में कितना फर्क है। इसी विद्यालय में यह ज्ञान दिया जाता है कि ना हिंदू बनेगा ना मुसलमान बनेगा इंसान की औलाद है इंसान बनेगा और उस स्कूल के अंदर मंदिर व मस्जिद दोनों की स्थापना की गई है।

मित्रों ठीक इसी तरह की व्यवस्था वसंत गजेरा द्वारा अशोक महापात्रा के नेतृत्व में उड़ीसा के भुवनेश्वर में 5000 से अधिक बच्चों के पढ़ने रहने खाने यानी पूरे जीवन जीने की सुविधा व्यवस्था उपलब्ध की जा रही है। जिसका पूरा संचालन उड़ीसा के अशोक महापात्र द्वारा किया जाएगा। यह भारत का दूसरा वात्सल्यधाम होगा इसे कहते हैं धर्मात्मा यानी धर्म की आत्मा।

सच्चे धर्मात्मा है वसंतभाई गजेरा

दो साल बाद अंबाजी में फिर लगेगा भादौ पूर्णिमा का मेला, जुटेंगे लाखों श्रद्धालु

बनासकांठा। मां अंबे के भक्तों के लिए बड़ी खबर आई है। कोरोनाकाल के दो साल बाद फिर एक बार अंबाजी में भादौ की पूर्णिमा मेला लगेगा और इसे लेकर प्रशासन ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। यात्राधाम अंबाजी में हर साल भादौ की पूर्णिमा पर पांच दिवसीय मेला लगता है, जिसमें गुजरात समेत देशभर से लाखों की संख्या में माई भक्त आते हैं। जिसमें कई लोग पदयात्रा के अंबाजी के दर्शन करने पहुंचते हैं। श्री आरासुरी अंबाजी माता देवस्थान ट्रस्ट की ओर से मेला का आयोजन किया जाता है। आज कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस साल मेला का आयोजन करने का फैसला लिए जाने के बाद माई भक्तों में खुशी की लहर दौड़ गई है। भादौ की पूर्णिमा पर होनेवाले मेला की तैयारियां प्रशासन की ओर से 6 महीने पहले ही शुरू कर दी जाती हैं। लेकिन इस वर्ष मेला होगा या नहीं इसे लेकर माई भक्तों में संशय था। क्योंकि कोरोनाकाल के 2 वर्ष के दौरान अंबाजी में भादौ पूर्णिमा के मेला का आयोजन नहीं किया गया था। लेकिन अब राज्य में हालात बेहतर होने के कारण प्रशासन ने आगामी भादौ पूर्णिमा पर मेला के आयोजन का फैसला किया है। प्रशासन के इस फैसले के बाद आगामी भादौ पूर्णिमा के पांच दिवसीय मेला के दौरान बनासकांठा अंबाजी के जयकारे से गूंज उठेगा। बताया जाता है कि अंबाजी की मन्नत लेकर जाने की शुरुआत 1841 में हुई थी। पाटन के शिहोरी की राजमाता के कुंवर भीमसिंह 55 साल के होने के बावजूद संतान सुख से वंचित थे। इस बारे में राजमाता ने रामसिंग रायका नामक पुरोहित से संपर्क किया। तब पता चला कि भीमसिंह की कुलदेवी अंबाजी हैं और उनके ही आशीर्वाद से उन्हें संतान सुख मिल सकता है। जिसके पश्चात भीमसिंह ने मन्नत रखी और उनके यहां बेटे का जन्म हुआ। कई सालों के बाद अंबाजी की कृपा से संतान सुख प्राप्त होने पर भीमसिंह अंबाजी में यज्ञ करने और 51 भूदेवों को भोजन के लिए आमंत्रित किया। पुरोहित और 51 भूदेवों ने एक समूह के रूप में सन 1841 में भादौ महीने की शुक्ल पक्ष की दसमी के दिन अंबाजी के लिए प्रस्थान किया। भीमसिंह के आमंत्रण पर पहली बार पदयात्रा कर अंबाजी पहुंचे भूदेवों ने पदयात्री समूह की स्थापना की। 1841 से शुरू हुई यह परंपरा पिछले 170 सालों से चली आ रही है। 170 वर्षों पहले एक समूह से शुरू हुआ पदयात्रा का यह सिलसिला 170 सालों में 1700 के करीब पहुंच गया है। गुजरात समेत देशभर से 1700 जितने समूह कई सौ किलोमीटर की पदयात्रा कर दर्शन करने भादौ पूर्णिमा के मेला के दौरान अंबाजी आते हैं।

डिजिटल इंडिया वीक, गांधीनगर में कू ऐप के सह-संस्थापक और सीईओ अप्रमय राधाकृष्ण ने कहा कि अगला दशक "हमारा" है

2020 में लॉन्च होने के बाद से, भारत का बहुभाषी सोशल मीडिया ऐप - कू - भारत भर की आवाज़ों को अपनी मातृभाषा में स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने के लिए सशक्त बना रहा है।गांधीनगर में डिजिटल इंडिया वीक में एक पैनल चर्चा में, कू के सह-संस्थापक और सीईओ, अप्रमेय राधाकृष्ण ने तेजी से विकसित हो रहे सोशल मीडिया परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अगला दशक "हमारा" है।

राधाकृष्ण ने कहा कि आज सोशल मीडिया केंद्रीकृत है, लेकिन अगले पांच वर्षों में यह क्षेत्र विकेंद्रीकृत हो जाएगा और कू इसे सक्षम कर देगा। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अब नाइजीरिया में मौजूद कू के साथ, भारत अमेरिका और चीन के बाद तीसरा देश बन गया है जिसके पास सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है जो किसी अन्य देश में उपयोग किया जा रहा है।

"गांधीनगर में डिजिटल इंडिया वीक कार्यक्रम में भाग लिया!यहाँ कैसा सकारात्मकता का माहौल है !@narendramodiके नेतृत्व में हमारे अपने केंद्रीय मंत्रियों @rajeev_chandrasekhar@ashwini-vaishnaw द्वारा सभी अद्भुत नई डिजिटल पहलों के शुभारंभ का साक्षी बनकर बहुत अच्छा लगा।अगला दशक हमारा है #इंडियास्टेचेड सस्वद्ध22022

प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए, डिजिटल इंडिया वीक में भारत भर के टेक स्टार्टअप्स ने भाग लिया और प्रौद्योगिकी के भविष्य पर चर्चा की।

सुप्रीम इंजीनियरिंग को भारत सरकार की R&D एजेंसी DRDO से एक प्रतिष्ठित आदेश मिला

मुंबई। सुप्रीम इंजीनियरिंग ली ने नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को एक पत्र में सूचित किया है कि कंपनी को भारत सरकार की आरएंडडी एजेंसी डीआरडीओ से एक सम्मानित आदेश मिला है। एजेंसी यूरोपीय कंपनियों के मिसाइल विकास में शामिल है।

यूरोप का निर्यात ऑर्डर ऐइज हार्डनेबल,निकेल-कोबाल्ट सुपर मिश्र धातु, ग्रेड एमपी35एन के लिए है। यह मटेरियल अल्ट्रा हाई स्ट्रेंथ, टफनेस, डकटिलिटी, भारी संक्षारण प्रतिरोध है। इसका उपयोग फॉर्मूला वन, अंतरिक्ष, तेल और गैस अनुप्रयोगों के स्वदेशीकरण और उत्पादन में किया जाता है।

डीआरडीओ को आपूर्ति किए गए निकल आधारित सुपरअलॉयज का उपयोग करने वाली एजेंसी मिसाइल के विकास में लगी हुई है। सुप्रीम के पास पहले से ही रक्षा, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा मंत्रालय के तहत सभी प्रणालियों के लिए नियमित सामग्री के प्रावधान को मान्यता देता है।

कंपनी रक्षा, अंतरिक्ष मंत्रालय और परमाणु ऊर्जा मंत्रालय के तहत संगठनों को सामग्री की आपूर्ति करती है। विभिन्न प्लेटफॉर्म और सबसिस्टम जैसे एलआरएसएएएम, पिनाका, कंड्यूसर मिसाइल, बैटल टैंक, हॉवित्जरगन, रटाग्नि, पीएसएलवी जीएसएसवी आदि सामग्री की आपूर्ति के लिए पहचाने जाते हैं। कंपनी एनएसई पर सूचीबद्ध है और इसका अंकित मूल्य 1 रुपये प्रति शेयर है।

भारत में अमेजन प्राइम मेंबर्स के लिए 23 और 24 जुलाई को होगा प्राइम डे 2022 का आयोजन

भारत में प्राइम मेंबर्स को खुशियां मनाने का बहाना देने के लिए, अमेजन एक बार फिर से अपना वार्षिक प्राइम डे लेकर आ रहा है। दो दिनों तक आकर्षक डील्स, बचत, ब्लॉकबस्टर मनोरंजन, नए लॉन्चइ, और बहुत कुछ की शुरुआत होगी 23जुलाई, 2022को रात 12बजे से, जिसका समापन होगा 24जुलाई, 2022को। यह समय है आराम से बैठने, रिलेक्स करने और सभी ब्लॉकबस्टर मनोरंजन और अपनी मनचाही चीजों को खरीदने का आनंद लेने का, क्योंकि अमेजन अपने प्राइम मेंबर्स को सभी श्रेणियों में बेस्टय डील्सज और बचत की पेशकश करेगा। स्मोर्टफोन, कंज्यूयमर इलेक्ट्रॉनिक्से, टीवी, एप्ला यंसेस, फैशन एंड ब्यूटी, किराना, अमेजन डिवाइसेस, होम एंड किचन, फर्नीचर से लेकर रोजमर्रा की जरूरी चीजें आदि तक प्राइम मेंबर्स नए लॉन्चस, पहले कभी न सुनी गई डील्सस, और बेहतरीन मनोरंजन बेनफिट्स का आनंद उठा सकते हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, अक्षय साही, डायरेक्टसर - प्राइम एंड फुलफिलमेंट एक्सपीरियंस, अमेजन इंडिया ने कहा, "भारत में हमारा छठा प्राइम डे हमारे सभी प्राइम मेंबर्स के लिए बेजोड़ खरीदारी और मनोरंजन अनुभव के साथ बड़ा, बेहतर और भरपूर है। हमें अभी तक अपने मौजूदा प्राइम मेंबर्स से मिली शानदार प्रतिक्रिया और मजबूत समर्थन के लिए हम उनके आभारी हैं, और मुझे पूरा भरोसा है कि इस प्राइम डे के दौरान भी रोमांचक डील्स, नए लॉन्च, और ब्लॉपकबस्टर मनोरंजन के साथ अपने लिए खुशियां प्राप्त करेंगे। अपने ग्राहकों के लिए वैल्यू और सुविधा को बढ़ाने के लिए हम निरंतर प्रयास कर रहे हैं और हम इसे प्राइम परिवार में नए ग्राहकों की सेवा और स्वा गत करने के अवसर के रूप में भी देखते हैं।"

इस प्राइम डे पर, अमेजन छोटे और मध्यम व्यवसायों (SMB) का समर्थन करना जारी रखेगा और लाखों विक्रेताओं, निर्माताओं, स्टार्ट-अप्स, और ब्रांड्स, महिला उद्यमियों, कारीगरों, बुनकरों और स्थानीय दुकानों द्वारा पेश किए गए उत्पादों के लिए ग्राहकों की मांग उत्पन्न करने में मदद करेगा। प्राइम डे के दौरान, प्राइम मेंबर्स फैशन एंड ब्यूटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, और होम डेकोर जैसी सभी कैटेगरी में अनूठे प्रोडक्ट्स पर विभिन्न प्रोग्राम्स जैसे लोकल शॉप ऑन अमेजन, लॉन्चपैड, सहेली और कारीगर पर विक्रेताओं से डील्स हासिल करने का अवसर प्राप्त करेंगे.

मोटोरोला ने लॉन्च किया अपना प्रीमियम एवं स्टाइलिश स्मार्टफोन मोटो जी42, जिसमें है 6.4" इंच की एमोलेड एफएचडी + डिस्प्ले, स्टीरियो स्पीकर, एंड्रॉइड 12 तथा और भी बहुत कुछ, कीमत सिर्फ 12,999 * रुपए

नई दिल्ली। मोटोरोला ने आज अपने जी सीरीज परिवार में लेटेस्ट मोटो जी42 के लॉन्च की घोषणा की। जो कि निस्संदेह ही, इसे इस सेगमेंट में सबसे स्टाइलिश और प्रीमियम दिखने वाला स्मार्टफोन बनाता है, मोटो जी42 इस प्राइस रेंज में कई इम्प्रेसिव फीचर्स के साथ आता है।

मोटो जी42 की बॉडी में पीएमएमए सामग्री का उपयोग किया गया है, जिसे कि अल्ट्रा-प्रीमियम ग्लास फिनिश देने के लिए आमतौर पर ऐक्रेलिक ग्लास के रूप में जाना जाता है। यह स्मार्टफोन 174.5 ग्राम हल्का है। इसके साथ ही यह प्रीमियम मेटल-बेस्ड कैमरा मॉड्यूल, आईपी 52 वाटर रेपेलेंट डिज़ाइन, एवं दो खूबसूरत कलर वेरिएंट मैटेलिक रोज़ तथा अटलांटिक ग्रीन में आता हैं, जोकि निश्चित ही आपका ध्यान इसकी और आकर्षित करेगा।

मोटो जी42 फुल एचडी+ रेजोल्यूशन के साथ शानदार 6.4"इंच की एमोलेड पंच-होल डिस्प्ले प्रदान करता है, जिसमे कि 700 निट्स ब्राइटनेस और डीसीआई-पी3 कलर का समागम है जो कि डिस्प्ले पर 25त्न अधिक कलर्स को सपोर्ट कर आपको शानदार व्यूइंग एक्सपीरियंस प्रदान करता है। डिस्प्ले को पूरक करने के लिए, मोटो जी42 में मल्टीमीडिया एक्सपीरियंस को और अधिक बढ़ाने के लिए इसमें डॉल्बी एटमॉस0 सपोर्ट के साथ स्टीरियो स्पीकर हैं। यानी कि अब आप अपने पसंदीदा कंटेंट से लेकर टाइमलेस म्यूजिक तक, हर बीट को और अधिक डिटेल तथा डेप्थ के साथ अनुभव कर सकते हैं।

इसके अलावा, मोटो जी42 में 50एमपी का क्वाड फंक्शन कैमरा सिस्टम तथा फ्रंट में 16एमपी का सेल्फी कैमरा मौजूद है। इसके अलावा इसका प्राइमरी 50 एमपी का मैन कैमरा क्वाड पिक्सेल टेक्नोलॉजी के साथ आता है जो कि कम रोशनी की स्थिति में भी 4 गुना अधिक वाइब्रेंट एवं शार्प तस्वीरें क्लिक करता है इसके साथ ही इसका सेकेंडरी 8एमपी का कैमरा अल्ट्रावाइड और डेप्थ सेंसर के साथ दोगुना हो जाता है।

मोटो जी42 में 4जीबी एलपीडीडीआरएक्स रैम के साथ क्वालकॉम स्नैपड्रैगन0 680 ऑक्टा-कोर प्रोसेसर है, जो गेम खेलते समय, वीडियो देखते हुए, या बहुत कुछ करते हुए एक सीमलेस परफॉरमेंस प्रदान करता है। मोटो जी42 नियर स्टॉक एंड्रॉइड 12 अनुभव के साथ आता है, जिसमें एंड्रॉइड 13 और 3 साल की सिक्योरिटी अपडेट का सुनिश्चित अपग्रेड शामिल है।

भारत में बढ़ रहा है प्लांट-बेस्ड प्रोटीन का महत्व

भारत में इन दिनों लोग प्लांहट-बेस्डी (वनस्प ति-आधारित) डाइट अपना रहे हैं और पशु-आधारित उत्पा,दों के सेवन में कमी ला रहे हैं। स्वाडस्य् अ और पर्यावरणीय कारणों से प्लांट-बेस्ड डाइट की लोकप्रियता बढ़ रही है, क्योंकि इसमें पशुओं की भलाई है। हालांकि, प्लां ट-बेस्डा डाइट लेने वाले लोग अक्सटर प्रोटीन को लेकर चिंतित रहते हैं, क्योंकि कई प्रकारों के मीट और डेयरी उत्पादों में अच्छा-खासा प्रोटीन होता है।

रसोईघर में उपलब्धर दालें, बादाम और बाजरा, इन सभी में वानस्प तिक प्रोटीन की उच्चप मात्रा होती है और इन्हें स्वास्य् च कर, पौष्टिक आहार के तहत नियमित रूप से खाया जा सकता है। उदाहरण के लिये, बादाम न केवल पोषण के पावरहाउस हैं, बल्कि उन्हें कई तरीकों से इस्तेकमाल किया जा सकता है और वे विभिन्नज व्यं जनों के स्वादद को अनोखापन देते हैं, चाहे व्यंहजन मीठे हों या चटपटे। बादाम प्लांट-बेस्डल प्रोटीन का बेहतरीन स्रोत हैं और उन्हें कई तरीकों से लिया जा सकता है, जैसे बादाम का दूध, बादाम का आटा, कच्चो, भुने हुए, हल्के नमकीन, आदि।

प्लांहट-बेस्ड डाइट्स के बढ़ते महत्वह पर बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री सोहा अली खान ने कहा, "यह एक मिथक है कि प्लेंट-बेस्डस डाइट्स में पर्याप्तक प्रोटीन नहीं होता है। मैंने सुना है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 21 ग्राम प्रोटीन होता है और बादाम 15 से ज्या दा पोषक-तत्वोंट से भी भरपूर होते हैं, जैसे विटामिन ई, मैग्नीरशियम, प्रोटीन, रिबोफ्लेविन और ज़िंक। मेरा मानना है कि संतुलित आहार लेना लंबे समय तक स्वगस्थन रहने के लिये महत्वपपूर्ण है। और मैं बादाम, चना और टोफू (सोयाबीन का पनीर) जैसे स्वा0स्थ्बा कर प्लां ट-बेस्डे प्रोटीन्सप को हमेशा अपनी डाइट में शामिल करती हूँ, ताकि मेरा भोजन ज्याद्दा पौष्टिक और संपूर्ण बने।'

न्यूट्रीशन एंड वेलनेस कंसल्टेमन्टी शीला कृष्णशस्वानमी ने कहा, "प्रोटीन ऊतकों, मांसपेशियों, हार्मोन्सव और एंज़ाइम्स' बनाने के लिये जरूरी होता है और शरीर में कोशिकाओं और ऊतकों की मरम्मवत में भी काम आता है। यदि आपने प्लांनट-बेस्ड डाइट्स लेने का फैसला किया है, तो अपनी डाइट की सावधानीपूर्वक योजना बनाना महत्वेपूर्ण है। अगर आप डेयरी उत्पाशदों से कैल्शियम लेते रहे हैं, तो अब आप रागी, सोयाबीन, हरी सब्जियों और बादाम से यह ले सकते हैं। बादाम जैसे सूखे मेवे और तूअर तथा मूंग जैसी दालें आपके शरीर में प्रोटीन की जरूरत पूरी कर सकती हैं, अगर आप प्लांऔट-बेस्डल डाइट्स पर चल रहे हों। बादाम स्नैकिंग के लिये भी बेहतरीन विकल्पप हैं, खासकर भोजन के बीच भूख लगने पर। बादाम प्रोटीन का समृद्ध स्रोत हैं, जो ऐसा पोषक-तत्वप है, जिसे मसल मास की वृद्धि और उसे बरकरार रखने में योगदान के लिये जाना जाता है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)